वर्ष : 26 | अंक : 310 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 31 अक्टूबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

लाखों दीपों से जगमग हुई अयोध्या

श्रीराम मंदिर में दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

अयोध्या (एजेंसी)। भव्य-दिव्य दीपोत्सव के लिए अयोध्या को लाखों दियों से सजाया गया। लाखों दीयों से आलोकित राम लला की पावन जन्मस्थली पर यह ज्योतिपर्व भावविभोर कर देने वाला था। अयोध्या धाम से निकला यह प्रकाशपुंज देशभर के नागरिकों में नया जोश और नई ऊर्जा भरेगा। भगवान श्री राम समस्त देशवासियों को सुख-समृद्धि और यशस्वी जीवन का आशीर्वाद प्रदान करें। इसी भावना के साथ देश भर में दीपोत्सव मनाया जा रहा है।

छोटी दीपावली पर कल अयोध्या में कई रिकार्ड बने। अयोध्या में जगमगाये लाखों दियों के साक्षी समूचा देश बना।

महाआरती का भी बना रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में इस बार एक और बड़ा रिकॉर्ड बना। यह रिकॉर्ड सरयू तट पर महाआरती का है। शाम को सरयू आरती में 1121 अर्चक और बटुक मौजूद रहे। सभी बटुक एक ही वेशभूषा में नजर आए। 15 मिनट तक होने वाली आरती में इतनी संख्या में बटुकों का जुटना, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बना।

25 लाख से ज्यादा दीये जलाए

अयोध्या में शाम को राम की पैड़ी पर दीपों को जगमग करने का काम शुरू हुआ। । करीब 55 घाटों पर 25 लाख 12 हजार 585 दीप जले। इन्हें प्रज्वलित करने की जिम्मेदारी अवध विश्वविद्यालय के 30 हजार वॉलंटियर्स को दी गई। शाम तक सभी दीए जले। इसके बाद गिनीज बुक की टीम ने ड्रोन से गिनती कर रिजल्ट घोषित किया।

दीपावली पूजन कब

आज दीपावली का शुभ पर्व देशभर में मनाया जा रहा है। हिंदू धर्म में दिवाली का त्योहार एक प्रमुख त्योहार है। पूरे देश में इस पर्व को बड़े ही धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। दिवाली पर घरों को रोशनी और दीयों से सजाया जाता है और सूर्यास्त के बाद यानी प्रदोष काल में धन की देवी माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और कुबेर देवता की पूजा होती है।

दिवाली की शाम महालक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व होता है। दीपावली का त्योहार कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। इस वर्ष कार्तिक महीने की अमावस्या तिथि दो दिन रहेगी। कार्तिक अमावस्या तिथि की शुरुआत 31 अक्टूबर, गुरुवार को दोपहर बाद 3 बजकर 52 मिनट पर होगी और समापन तिथि 01 नवंबर को शाम को 06 बजकर 16 मिनट पर रहेगी, फिर प्रतिपदा तिथि लग जाएगी।

दिवाली पर लक्ष्मी- गणेश पूजन प्रदोष काल, अमावस्या तिथि और स्थिर लग्न में करने की धार्मिक मान्यता है। प्रदोष काल वह समय होता है जब सूर्यास्त हो जाता है और यह लगभग 2 घंटे 24 मिनट तक रहता है। हिंदू धर्म में कोई भी व्रत या त्योहार उदया तिथि के आधार पर तय होता है, लेकिन दिवाली पर माता महालक्ष्मी की पूजा अमावस्या तिथि को रात्रि में होती है। 31 अक्टूबर को पूरी रात अमावस्या तिथि रहेगी। पंचांग के मुताबिक कार्तिक माह की अमावस्या तिथि 31 अक्तबूर को 3 बजकर 52 मिनट पर आरंभ हो जाएगी और इसका समापन 01 नवंबर को शाम 06 बजकर 16 मिनट पर होगा। 31 अक्तूबर को दिवाली मनाई जाएगी और इसी दिन लक्ष्मी पूजा होगी।

धारा-370 को हमेशा के लिए जमीन में गाड़ दिया : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री सैनिकों के साथ सीमा पर मनाएंगे दीपावली

गांधीनगर (एजेंसी)। आज देश लौहपुरुष सरदार पटेल की जयंती मना रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के केवड़िया में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचकर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय एकता दिवस परेड की सलामी भी ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों को एकता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री इस बार फिर सैनिकों के साथ सीमा पर दीपावली मनाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम के अवसर पर बोलते हुए अपने संबोधन में कहा कि मैं 'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस बार का राष्ट्रीय एकता दिवस अद्भुत संयोग लेकर आया है। एक तरफ आज हम एकता का उत्सव मना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दीपावली का पावन पर्व है। अब तो दीपावली का पर्व भारत को दुनिया से भी जोड़ रहा है और अनेक देश इसे राष्ट्रीय

उत्सव की तरह मना रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज से सरदार पटेल का 150वां जन्मजयंती वर्ष शुरू हो रहा है। आने वाले दो वर्षों तक देश, सरदार पटेल की 150वीं जन्मजयंती का उत्सव मनाएगा। ये भारत के प्रति उनके असाधारण योगदान के प्रति नमन है। जब देश को आजादी मिली तो दुनिया में कई लोग थे, जो भारत के बिखरने का आकलन कर रहे थे, उन्हें जरा भी उम्मीद नहीं थी कि सैकड़ों रियासतों को जोड़कर एक भारत का निर्माण हो पाएगा, लेकिन सरदार साहब ने ये करके दिखाया।

जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के सात दशक बाद देश में एक देश और एक संविधान का संकल्प भी पूरा हुआ है। सरदार साहब को मेरी ये सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। 70 साल तक बाबा साहेब अंबेडकर का संविधान पूरे देश में लागू नहीं हुआ था। संविधान की माला जपने वालों ने संविधान का ऐसा घोर अपमान किया था। कारण था, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद-370 की दीवार। अनुच्छेद-370 को हमेशा-हमेशा के लिए जमीन में गाड़ दिया गया है। पहली बार वहां इस विधानसभा चुनाव में बिना भेदभाव के मतदान किया गया। पहली बार वहां के मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान की शपथ ली है। ये दृश्य भारत के संविधान निर्माताओं को अत्यंत संतोष देता होगा और ये संविधान निर्माताओं को हमारी विनम्र श्रद्धांजलि है।

दीपावली मनाने लौट रहे थे गांव, हादसे में 6 की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। बदायूं जिले में गुरुवार को भीषण सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई जबकि घटना में 8 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टेंपो में सवार होकर लोग अपने गांव दीपावली मनाने के लिए जा रहे थे। सभी नोएडा में काम करते थे और दीपावली मनाने अपने गांव जा रहे थे।

तभी बदायूं जिले के मुजरिया चौराहे के पास टेंपो और ट्रैक्टर की आमने सामने भिड़त हो गई। हादसे के बाद स्थानीयों की मदद घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। कई घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक टेंपो सवार लोग नोएडा में काम करते थे। ये सभी लोग दिवाली मनाने के लिए टेंपो बुक कर वहां से घर लौट रहे थे। सुबह करीब सात बजे इनका टेंपो मुजरिया गांव के समीप पहुंचा। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

अब 50 फीसदी निर्माण के साथ तीन वर्ष बाद ही भूखंड बेच सकेंगे आवंटी!

नोएडा (चेतना मंच)। अब भूखंडों के आवंटी आवंटन के तीन वर्ष बाद ही अपने भूखंडों को बेच सकेंगे। उसमें भी शर्त यह है कि आवंटी को इस दौरान 50 फीसदी निर्माण कर लेना होगा। अक्सर पैसे के लालच में आवंटन के बाद अधिक प्रीमियम के चक्कर में आवंटी भूखंडों को तुरंत बेच देते हैं। उस पर अब लगाम लगेगी।

अक्सर देखा गया कि आवासीय भूखंड के आवंटन के तुरंत बाद ही आवंटी अधिक पैसा की चाहत में प्लाट को बेच देता है। इसे समाप्त कर नई व्यवस्था को लागू करने पर विचार किया जा रहा है। इसके तहत आवंटन के तीन साल तक कोई भी आवंटी प्लाट का ट्रांसफर नहीं कर सकेगा। साथ ही उसे तीन साल में ग्राउंड कवरेज का 50 प्रतिशत निर्माण करना होगा। इसके बाद ही वो प्लाट को बेच सकेगा। बोर्ड में इन दोनों बिंदुओं पर चर्चा की गई। हालांकि अभी सहमति नहीं बनी है।

2018 के बाद से नोएडा में आवासी प्लाट का आवंटन ई ऑक्शन के जरिए किया जा रहा है। जिसमें ऊची बोली लगाने वाले आवेदन कर्ता को प्लाट आवंटित कर दिया जाता है। वो सिर्फ 25 प्रतिशत पैसा जमा कराकर अपने नाम लीज डीड करा लेता है। इसके बाद अधिक दाम पर प्लाट किसी और बेच देता है। जबकि इन प्लाट का उद्देश्य यह है कि लोग नोएडा से प्लाट ले और यहा मकान बनाकर रहे। जबकि इन प्लाट का प्रयोग लोग लाभ कमाने या प्रपॉटी बढ़ाने के लिए कर रहे है। ऐसे में प्राधिकरण ने बोर्ड के समक्ष प्रस्ताव दिया कि आवंटित क्षेत्रफल का न्यूनतम 40 वर्गमीटर अथवा अधिकतम ग्राउंड कवरेज का 50 प्रतिशत जो भी अधिक हो पर निर्माण कार्य कराया जाए। साथ आवंटन के तीन साल के बाद ही प्लाट को ट्रांसफर किया जाए। इस पर वृहद चर्चा की गई। हालांकि इस प्रस्ताव पर अभी सहमति नहीं बनी है। प्राधिकरण के ओएसडी अवरिंद सिंह ने बताया कि बोर्ड में प्रस्ताव को भेजा गया था। इस पर जल्द सहमति बनेगी। ताकि आवासी प्लाट का सदुपयोग किया जा सके।

स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट पर अब कैबिनेट ही लेगी निर्णय!

लोक लेखा समिति ने दिये कैबिनेट में फाइल भेजने के निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। स्पोर्ट्स सिटी प्रॉजेक्ट की फाइल अब राज्य की कैबिनेट को भेजी जाएगी। वहां ही कोर्ट अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

स्पोर्ट्स सिटी प्रॉजेक्ट को प्राधिकरण के बोर्ड में रखा गया। यहा से अनुमोदन के बाद इसे अब कैबिनेट के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। केबिनेट पर इस पर अपना अंतिम फैसला लेगी। इससे पहले लखनऊ में लोक लेखा समिति की हुई बैठक में प्राधिकरण ने कई तथ्यों पर अपना जवाब दे दिया था। वहां से निर्देश दिए गए कि इस मामले को बोर्ड में प्रस्तुत कर इसे केबिनेट भेजा जाए।

इसमें ग्रुप हाउसिंग प्रॉजेक्ट, फ्लैट बायर्स व पूरे प्रॉजेक्ट में मौजूदा स्थिति, जमीन से लेकर

मुआवजा व अन्य विंदु शामिल हैं। अथॉरिटी समिति की तरफ से मांगे गए सभी सवालों का जवाब दे दिया था। इसके बाद भी लोक लेखा समिति की ओर से अब तक इस प्रोजेक्ट पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। ऐसे में केबिनेट ही इस पर अहम निर्णय लेगी। जिससे 15 हजार से ज्यादा बायर्स के भाग्य का फैसला होगा।

लोक लेखा समिति सीएजी आपत्तियों का निस्तारण करने के लिए सुनवाई कर रही है। इस मामले में अब तक सभी सुनवाई और आपत्तियों का जवाब प्राधिकरण दे चुका है। स्पोर्ट्स सिटी प्रॉजेक्ट 2008 का है। सेक्टर-78, 79, 101, 150, 152 में 4 प्लॉट आवंटित किए गए। शर्त यह थी कि 30 प्रतिशत जमीन पर डिवेलपर्स 28 प्रतिशत पर ग्रुप हाउसिंग, 2 प्रतिशत पर व्यवसायिक निर्माण कर सकेंगे। बाकी 70 प्रतिशत जमीन पर खेल सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसी शर्त पर सहूलियत भरी दरों में जमीन प्राधिकरण ने दी थी।

हर प्लॉट का मूल नक्शा भी उस समय बना था। हुआ यह कि प्लॉट लेने वाले मूल आवंटी डिवेलपर्स ने सब-डिवीजन कर जमीन के टुकड़े शुरू कर दिए। एक-एक प्लॉट में 24-24 प्लॉट निकाले गए। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs CCTV Controlled Environment Activity Based Learning Well Equipped Library GPS Enable Buses

दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएं
सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा
फ़ोन .08750611103

स्वदेशी विमान

अक्सर कहा जाता रहा है कि भारतीय सेना के युद्धक व मालवाहक विमान पुराने पड़ चुके हैं। निस्संदेह, वायुसेना व सेना को इसकी कीमत भी चुकानी पड़ती थी। लेकिन यह सुखद है कि देश में पहली बार एक स्वदेशी निजी कंपनी आत्मनिर्भर भारत अभियान को संबल देकर देश में सेना के लिये युद्धक विमानों का निर्माण करेगी। जब वडोदरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके स्पेनिश समकक्ष पेद्रो सांचेज ने टाटा एअरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स में इस महत्वाकांक्षी परियोजना की बुनियाद रखी, तो निश्चय ही भारत एक नये युग में प्रवेश कर रहा था। पहली बार कोई निजी कंपनी विमान निर्माण के क्षेत्र में कदम रख रही थी। वह भी देश का भरोसेमंद और एअर इंडिया का उद्धार करने वाला टाटा समूह का उपक्रम। निश्चित ही हम 'मेक इन इंडिया' के संकल्प को हकीकत बनता देख रहे हैं। साथ ही हम उस दाग को धोने की तरफ भी आगे बढ़े हैं कि जिसके बाबत कहा जाता है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े हथियार खरीददार देशों में शुमार है। उल्लेखनीय है कि टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड और स्पेन की एअरबस के संयुक्त उपक्रम में 40 सी-295 विमानों का निर्माण होगा। यह भी कि स्पेन व भारत के मध्य कुल 56 विमानों को लेकर समझौता हुआ था, जिसमें 16 तैयार विमान स्पेन से भारत को मिलने हैं। दरअसल, सी-295 विमान सैनिकों, साजो-सामान तथा हथियारों को लाने-ले जाने में खासा मददगार होता है। साथ ही यह छोटी हवाई पट्टी व दुर्गम इलाकों से भी उड़ान भर सकता है। यह अच्छी बात है कि बीते कुछ वर्षों में भारत सरकार ने उन्नत एवं तकनीकी क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने को अपनी प्राथमिकता बनाया है। जिसमें रक्षा उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों, ग्रीन हाइड्रोजन तथा सेमीकंडक्टर का उत्पादन शामिल है। अपने इस अभियान में सरकार ने न केवल विदेशी निवेश को आमंत्रित किया बल्कि देश के निजी क्षेत्र को भरपूर संसाधन व पर्याप्त मौके उपलब्ध कराए हैं। तय मानिये कि आने वाले वाले वर्षों में इसके सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। निश्चित रूप से केंद्र सरकार की ऐसी कोशिशों से जहां हम रक्षा उत्पादन के क्षेत्रों में आत्मनिर्भर होंगे, वहीं इससे देश में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। ऐसा करके हम न केवल अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ा सकते हैं बल्कि इन उत्पादों के निर्यात की दौड़ में भी शामिल हो सकते हैं। यकीनी तौर पर देश की अर्थव्यवस्था को भी इससे बड़ा संबल मिलेगा। बहरहाल, यह तय है कि भारतीय सेना में सी-295 विमानों के शामिल होने से हम पुराने रूसी विमानों के जोखिम से भी बच सकेंगे। साथ ही सामरिक क्षेत्र में यह देश की बढ़त भी होगी। वहीं देश में रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। कहा जा रहा है कि देश में सी-295 की निर्माण परियोजना से तीन हजार प्रत्यक्ष और 15 हजार परोक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा बड़ोदरा व उसके आसपास के इलाके की आर्थिकी को नई गति भी मिलेगी। वहीं इन विमानों में उपयोग होने वाले स्वदेशी कल-पुर्जों से भी विभिन्न आय के साधन विकसित होंगे। विगत के अनुभव रहे हैं कि भारत के मुश्किल वक्त में हथियारों की आपूर्ति में विदेशी सरकारों ने मदद करने में आनाकानी की थी। लेकिन बहुत संभव है कि सी-295 परियोजना की सफलता के बाद भारत रक्षा उत्पादों के निर्यात में भागीदारी कर सकेगा। संभावना यह भी कि कालांतर देश में ऐसी विशिष्ट उत्पादों के निर्माण की संस्कृति विकसित हो, जो न केवल देश को हथियार उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाये, बल्कि भारत की तीनों सेनाओं का मनोबल भी ऊंचा करे। अंतत: देश के समक्ष उत्पन्न किसी भी रक्षा चुनौती का सेनाएं भी तत्परता से मुकाबला कर सकेंगी। वैसे भी किसी देश की सेना की क्षमता का मूल्यांकन उसकी वायुसेना की ताकत व आधुनिक युद्धक विमानों की उपलब्धता से ही होता है। समय के साथ कदमताल करते हुए आज किसी सेना की ताकत का मूल्यांकन आधुनिक तकनीक व साजो-सामान की उपलब्धता पर ही निर्भर करता है। भारत इस दिशा में लगातार बढ़ रहा है। निस्संदेह, यह हमारी संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाएगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि यों कहकर नारद मुनि ब्रह्मलोक को चले गए। अब आगे जो चरित्र हुआ उसे सुनो। पति को एकान्त में पाकर मैना ने कहा- हे नाथ! मैंने मुनि के वचनों का अर्थ नहीं समझा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जौं घरु बरु कुलु होइ अनूपा। करिअ बिबाहु सुता अनुरूपा॥
न त कन्या बरु रहउ कुआरी। कंत उमा मम प्रानपिआरी॥

जो हमारी कन्या के अनुकूल घर, वर और कुल उत्तम हो तो विवाह कीजिए। नहीं तो लड़की चाहे कुमारी ही रहे (मैं अयोग्य वर के साथ उसका विवाह नहीं करना चाहती), क्योंकि हे स्वामि-?! पार्वती मुझको प्राणों के समान प्यारी है॥

जौं न मिलिहि बरु गिरिजहि जोगू। गिरि जड़ सहज कहिहि सबु लोगू॥
सोइ बिचारि पति करेहु बिबाहू। जेहिं न बहोरि होइ उर दाहू॥

यदि पार्वती के योग्य वर न मिला तो सब लोग कहेंगे कि पर्वत स्वभाव से ही जड़ (मूर्ख) होते हैं। हे स्वामी! इस बात को विचारकर ही विवाह कीजिएगा, जिसमें फिर पीछे हृदय में सन्ताप न हो॥3॥

अस कहि परी चरन धरि सीसा। बोले सहित सनेह गिरीसा॥
बरु पावक प्रगटै ससि माहीं। नारद बचनु अन्यथा नाहीं॥

इस प्रकार कहकर मैना पति के चरणों पर मस्तक रखकर गिर पड़ीं। तब हिमवान ने प्रेम से कहा- चाहे चन्द्रमा में अग्नि प्रकट हो जाए, पर नारदजी के वचन झूठे नहीं हो सकते॥

(क्रमश:...)

त्रेता की पहली दीपावली जैसी अयोध्या का दीपपर्व

त्रेता युग में लंका विजय के बाद अपने राम को देख अयोध्या निहाल हो गई थी। चौदह वर्ष के वनवास के बाद सरयू के तीर पर अपने राम के स्वागत में अयोध्या ने खुद को प्रकाशमान करने की जो परंपरा डाली, आज पूरी दुनिया उसे दीपावली के नाम से जानती है। अयोध्या की इस बार की दीपावली त्रेता युग की पहली दीपावली जैसी ही है। अयोध्या के पावन मंदिर में रामलला की स्थापना के बाद दीपों का पहला त्योहार आया है। राम की वापसी के बाद अयोध्या इस बार त्रेता युग की ही तरह निहाल होने जा रही है। सरयू के तीर पर स्थित पचपन घाटों पर 28 लाख से ज्यादा दीपों के जरिए अयोध्या अपने राम का स्वागत करने जा रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि यह दीपोत्सव दुनिया में नया कीर्तिमान बनाने जा रहा है। उत्तर प्रदेश में जब से योगी सरकार आई है, तब से हर दीपावली को अयोध्या के घाट दीपों से सजाए जा रहे हैं। इस लिहाज से देखें तो यह योगी सरकार के दीपोत्सव का आठवां संस्करण है। जिसके प्रबंधन का दायित्व बाकायदा अयोध्या के ही डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रतिभा गोयल को दिया गया है। जो 30 हजार वालंटियर्स के सहयोग से 28 लाख से अधिक दीयों को प्रज्ज्वलित करने की तैयारी में हैं। दीपोत्सव के रिकॉर्ड को जांचने के लिए अयोध्या में मंगलवार यानी 29 अक्टूबर को ही गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम के कंसल्टेंट निश्चल बरोट अपने 30 सहयोगियों के साथ पहुंच गए।

दीपों के जलाते वक्त तेल बाहर ना गिरे, इसका सावधानी पूर्वक ध्यान रखने के लिए वालंटियरों को कहा गया है। 30 अक्टूबर के दिन दीपोत्सव के दीयों में तेल डालने के लिए एक-एक लीटर के सरसों तेल की बोतलें दी जा रही हैं। हर दीप में सावधानीपूर्वक तेल डालने के लिए विशेष तौर पर दिशा-निर्देश दिए गए हैं। घाट पर तेल न गिरे, इसका विशेष ध्यान रखा जायेगा।

त्रेता युग में राम के स्वागत में पूरी अयोध्या दीपों से जगमगा उठी थी। इसके बाद से ही हर साल कार्तिक महीने की अमावस्या को पूरा सनातन समाज, उसके घर, उसकी झोपड़ियां, उसके ठीये, उसके पशुओं की नाद, उसके कुएं के चबूतरे, तुलसी के चबूतरे, मंदिरों के दरवाजे राम के स्वागत में दीपों से सजाता रहा है। सनातन समाज की हर गली, हर हर रास्ता, हर अंधियारा कोना इस दिन प्रकाश की रेखाओं से जैसे खिल उठता है। इस परंपरा में समूची अयोध्या भी इस दीपावली को इसी अंदाज में सजेगी, लेकिन योगी सरकार की और उन्हें रोशनी से जगमगाने की जिम्मेदारी 30 हजार वालंटियर को दी गयी है। घाटों को र 16 गुणा 16 दीए का ब्लाक से सजाया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि यह दीपोत्सव दुनिया में नया कीर्तिमान बनाने जा रहा है। उत्तर प्रदेश में जब से योगी सरकार आई है, तब से हर दीपावली को अयोध्या के घाट दीपों से सजाए जा रहे हैं। इस लिहाज से देखें तो यह योगी सरकार के दीपोत्सव का आठवां संस्करण है।

डाली परंपरा के अनुसार सरयू के 55 घाट अलग ही अंदाज में नजर आएंगे। चूंकि अयोध्या के मंदिर में रामलला की स्थापना के बाद की यह पहली दीपावली है, इसलिए सरयू के घाट इस बार 28 लाख दीयों के साथ अलग ढंग से सज रहे है, जिनसे उठी रोशनियों की लंबी लकीरें सरयू की लहरों में अप्रतिम दृश्य वितान रचने जा रही हैं।

दीपोत्सव की भव्यता विश्व पटल पर दिखे, इसके लिए सरयू नदी के दसवें नंबर के घाट पर 80 हजार दीयों के जरिए स्वास्तिक बनाया गया है। इसके जरिए दीपोत्सव की टीम पूरी दुनिया को रौशनी युक्त शुभ्रता का संदेश देने की कोशिश कर रही है। माना जा रहा है कि दीपोत्सव में यह दृश्य अद्भुत आकर्षण का केन्द्र होगा। अयोध्या के घाटों पर दीयों को सजाने जिनमें 256 दीए सजाये जा रहे हैं। इनमें एक वालंटियर को 85 से 90 दीए प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित है। । दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 संत शरण मिश्र के मुताबिक, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशन में अयोध्या का जिला प्रशासन दीपोत्सव के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को यह अप्रतिम दृश्य रचने के लिए हर संभव सहयोग दे रहा है। राम नगरी के 55 घाटों पर दीयों की सुरक्षा पुलिस प्रशासन व विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मियों द्वारा की जा रही है। घाटों पर सुरक्षा सख्त कर दी गई है। बिना आई कार्ड के प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है।

यह सच है कि रोशनी के महत्व को हम तभी समझ पाते हैं, जब हमारे सामने गहन अंधकारा होता है। बेशक अपना देश वैश्विक युद्ध से बचा हुआ है। लेकिन इजरायल-फिलीस्तीन के साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध के आंच की ताप में दुनिया झुलस रही है। इसकी किंचित आंच भारत और भारतीयों तक भी पहुंच रही है। त्रेता युग में राम ने रावण वध और लंका विजय के जरिए संदेश दिया था कि शांति ही दुनिया और मानव जीवन की प्रगति का आधार है। रामलला के अपने पावन घर में आ विराजने के बाद की पहली दीपावली सिर्फ दीयों की संख्या के आधार पर ही रिकॉर्ड नहीं बनाने जा रही, बल्कि वह दुनिया को एक संदेश भी देने जा रही है। संदेश यह कि रोशनियों के सामने अंधेरे को हारना ही होता है। अयोध्या की यह दीपावली दुनिया को यह भी संदेश दे रही है कि युद्ध के अंधेरे से उसे निकलना ही होगा और मानव जीवन की प्रगति के लिए रोशनियों की लहरों पर ही सवार होना होगा।

-उमेश चतुर्वेदी
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

गोवर्धन पूजा के दिन भगवान गिरिराज की परिक्रमा

दिवाली पांच दिवसीय त्योहार है। धनतेरस से लेकर भाई दूज तक यह त्योहार चलता है। गोवर्धन का त्योहार भी हिंदू धर्म में काफी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन गोबर से गिरिराज जी बनाकर उनकी पूजा की जाती है। गोबर से गिरिराज जी बनाकर उनकी पूजा की जाती है। अब ऐसे में उनकी परिक्रमा कितनी बार लगानी चाहिए। आइए जानते हैं।

गोवर्धन पूजा दिवाली के अगले दिन मनाई जाती है। इसे अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में गोवर्धन त्योहार का बेहद महत्व होता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण से इंद्रदेव का घमंड भी तोड़ा था और पूरे ब्रजमंडल को गोवर्धन पर्वत की आड़ से सभी की रक्षा की थी। गोवर्धन के दिन भगवान कृष्ण को 56 प्रकार के व्यंजन चढ़ाए जाते हैं। इस दिन को प्रकृति की उदारता और कृषि की समृद्धि का प्रतीक है। गोवर्धन के दिन किसान भी अपने फसलें भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित करें। अब ऐसे में गोवर्धन पूजा के दिन गिरिराज जी की परिक्रमा कितनी बार लगानी चाहिए।

गोवर्धन पूजा के दिन आप गोबर से बने गिरिराज जी की 7 या 11 बार परिक्रमा लगाएं। इसके साथ ही पूरा परिवार परिक्रमा लगाएं। ऐसा कहा जाता है कि परिक्रमा परिवार सहित लगाने से घर में सुख-शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है और घर से कलह-क्लेश भी दूर होते हैं।

गोवर्धन पूजा के दिन अन्नकूट के बाद गोबर से गिरिराज जी बनाएं और इसके बाद विधिवत रुप पूजा करना है। उन्हें दूध चढ़ाएं और फिर परिक्रमा लगाएं। गिरिराज पर्वत को भगवान कृष्ण का स्वरुप माना जाता है। इसके पीछे एक पौराणिक कहानी है कि जब भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को उठाकर ब्रजवासियों को इंद्र देव के प्रकोप से बचाया था, तब से यह पर्वत भगवान कृष्ण के साथ अटूट रुप ले जुड़ गया है। माना जाता है कि गिरिराज की पूजा करने से रोगों से मुक्ति मिलती है और स्वास्थ्य लाभ मिलता है। गिरिराज की पूजा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

राशिफल

कार्तिक कृष्ण पक्ष : चतुर्दशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
पैरों में चोट-चपेट लग सकता है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान की स्थिति ठीक-ठाक कही जा सकती है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
बच्चों के सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू,मैं-मैं से बचें। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान की स्थिति मध्यम और व्यापार ठीक रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
गृह-कला के संकेत हैं। कोई भयंकर कलह न हो। घर के झगड़े बाहर न जाएं। इस बात का ध्यान रखें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यापारिक स्थिति मध्यम है। नाक,कान और गला की परेशानी हो सकती है। प्रेम-संतान अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन हानि के संकेत से निवेश करने से बचें। स्वास्थ्य मध्यम, मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
बेचैनी,घबराहट बनी रहेगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान मध्यम और व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
अनाब-सनाब खर्चे होंगे। सिर दर्द और नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम-संतान मध्यम और व्यापार सही रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। भ्रामक समाचर की प्राप्ति होगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
कोर्ट-कचहरी से बचें। व्यापारिक स्थिति थोड़ी उतार-चढ़ाव वाली रहेगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। स्वास्थ्य ठीक-ठाक, प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चोट-चपेट लग सकता है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वंय के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वास्थ्य और प्रेम-संतान सारी चीजें थोड़ी मध्यम दिख रही हैं।

जेवर एयरपोर्ट के पास नहीं दिखेंगे काले हिरण और नील गाय

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के पास जेवर में अगले साल अप्रैल में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से यात्री

परिचालन शुरू होने को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। जेवर एयरपोर्ट के आसपास 10 किलोमीटर के दायरे को 'पक्षी मुक्त' रखने के लिए प्रशासनिक स्तर पर काम शुरू हो गया है। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा तथा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के अधिकारियों की इसको लेकर एक अहम बैठक हुई।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एनआईएएल) ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ाने का निर्देश दिया है ताकि इसकी परिधि को 'पक्षी मुक्त' रखा जा सके।

एयरफील्ड पर्यावरण प्रबंधन समिति (एईएमसी) की पहली बैठक की अध्यक्षता करने के बाद जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि पक्षी उड़ान भरने और उतरने की प्रक्रिया में बाधा डाल सकते हैं। इसलिए हवाई अड्डे के 10 किलोमीटर के दायरे में सभी गांवों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। ग्रामीणों को खुले में कचरा फेंकने से रोकने के लिए भी शिक्षित किया जाएगा। हवाई अड्डे की साइट और आस-पास के इलाकों से आवारा जानवरों को हटाने का काम भी चल रहा है। पिछले हफ्ते, वन विभाग ने कई काले हिरणों और नीलगाय को पास के कृषि क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया है।

जेवर हवाई अड्डे की परियोजना के आसपास का क्षेत्र कई प्रजातियों का घर है, जिनमें नीलगाय, काला हिरण, भारतीय हिरन, बंदर, सुनहरे सियार, जंगली बिल्लियाँ और सारस क्रेन शामिल थे। यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण 4.5 करोड़ रुपये की लागत से धनौरी वेटलैंड के पास 10 हेक्टेयर में हवाई अड्डे की परियोजना से विस्थापित जानवरों और पक्षियों के लिए एक बचाव और पुनर्वास केंद्र का निर्माण कर रहा है। नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा हवाई अड्डे के स्थल के पास से स्थानांतरित किए जाने वाले हिरणों और काले हिरणों के लिए सेक्टर 91 में जैव विविधता पार्क के भीतर 30 एकड़ वन भूमि पर एक हिरण पार्क विकसित करने की भी योजना बनाई है। हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन को प्रभावित करने वाली स्थानीय परिस्थितियों से उत्पन्न चुनौतियों को कम करने और दीर्घकालिक नीति तैयार करने के लिए जुलाई में गठित एयरफील्ड समिति ने अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं जिन्हें जिला प्रशासन और यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित किया जाएगा। जेवर में 1,334 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण में एक रनवे और टर्मिनल होगा, जो सालाना 12 मिलियन यात्रियों को संभालने, 1 लाख उड़ानों को समायोजित करने और 2.5 लाख टन माल परिवहन के लिए जेवर एयरपोर्ट को डिज़ाइन किया गया है।

उप्र युवा व्यापार मंडल ने मनाया दीपमाला आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। दीपों के महापर्व दीपावली पर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल द्वारा अग्रसेन भवन सेक्टर-33 नोएडा में दीप माला कार्यक्रम

का आयोजन किया गया।

मंडल के चेयरमैन नवनीत गुप्ता ने सभी को शुभकामनायें देते हुए कहा कि हिंदुओं के महापर्व दीपावली को धूमधाम से मनाए। प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि खूब दीये जलाएं मिठाइयाँ खाएं और मिल जुलकर पटाखे जलाए। श्री जैन ने कहा कि हम सभी को मिलकर हर्षोल्लास के साथ दीप माला करनी चाहिए।

प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल ने आये हुए सभी पत्रकारों का स्वागत किया और दीपावली की शुभकामनाएं दी। उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शक्ति सिंह ने कहा कि इस प्यार भरे त्योहार को खुशियों के साथ बनाए। प्रदेश महामंत्री अमित गोयल ने बताया कि आज पत्रकार भाइयों का सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया।

डीएम ने एडीएम न्यायिक को किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। लोकसभा सामान्य चुनाव में उत्कृष्ट कार्यों के लिए डीएम नोएडा मनीष कुमार वर्मा ने नोएडा के एडीएम (न्यायिक) भैरपाल सिंह को हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा सामान्य निर्वाचन में सराहनीय और उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा सामान्य निर्वाचन में एडीएम (न्यायिक) भैरपाल सिंह को डीएम मनीष कुमार वर्मा ने प्रभारी ईवीएम, मतपत्र, स्ट्रांग रूम और मजिस्ट्रेट नियुक्त किया था। भैरपाल सिंह के कुशल निर्देशन में पूरे जनपद में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न हुए। इस योगदान को दृष्टिगत रखते हुए डीएम मनीष कुमार वर्मा ने मंगलवार को डीएम कार्यालय में प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित कर उनके बेहतरीन प्रशासनिक क्षमताओं और कार्यों की प्रशंसा की।

मालूम हो की एडीएम न्यायिक भैरपाल सिंह ने बुलंदशहर, शामली और लखनऊ में लोकसभा सामान्य निर्वाचन की बाबत कई दौरा कर प्रभावी व्यवस्थाएं की थी। इससे पहले भी उनको विधानसभा चुनाव 2012, विधानसभा चुनाव 2017 और लोकसभा चुनाव 2019 के अलावा नगरीय निकाय चुनाव 2023 में भी उत्कृष्ट कार्यो के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण सम्मानित कर चुके हैं।

मनीष गुप्ता बने रालोद के विधानसभा उपाध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। मनीष गुप्ता को राष्ट्रीय लोक दल नोएडा विधानसभा का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

मनोनयन की घोषणा में रालोद के नोएडा महानगर अध्यक्ष, नोएडा के विधानसभा अध्यक्ष बीएल अग्रवाल नोएडा महानगर के महासचिव सुनील पांडेय, गौरव तथा विजय शर्मा, मोनू गुर्जर आदि पदाधिकारी मौजूद थे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं. 65/2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से **"खुली"** निविदा आमंत्रित करते हैं: **क्र.सं.-1, कार्य का विवरण:** समई/लाइन/इज्जतनगर के अधिकार क्षेत्र में रबरयुक्त लेवल क्रासिंग का कार्य (स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत भोजीपुरा-लालकुआँ अनुभाग के मध्य बी.सी.एम मशीन से छनाई एवं बैलास्ट की आपूर्ति पूर्ण करना (64.3) किमी.), **अनुमानित लागत (रुमें):** ₹ 1,51,18,488.00, **बयाना राशि (रुमें):** ₹ 2,25,600/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 06 माह, **क्र.सं.-2, कार्य का विवरण:** समई/लाइन/इज्जतनगर के अधिकार क्षेत्र में रेल टॉप फेसिंग का कार्य (स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत भोजीपुरा-लालकुआँ अनुभाग के मध्य बी.सी.एम मशीन से छनाई एवं बैलास्ट की आपूर्ति पूर्ण करना (64.3) किमी.), **अनुमानित लागत (रुमें):** ₹ 1,22,25,068.76, **बयाना राशि (रुमें):** ₹ 2,11,100/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 06 माह। **नोट:** (1) ई-निविदा दिनांक **25.11.2024** को **15:00** बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। (2) ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट www.ireps.gov.in पर देखें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)
मुजाधि/डब्लू-289 इज्जतनगर
"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

26 से 40 साल के युवा भी हो रहे स्ट्रोक का शिकार

स्ट्रोक के लक्षणों को नजरअंदाज करना बना सकता है जिंदगी भर का अपाहिज

नोएडा (चेतना मंच)। स्ट्रोक एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो मस्तिष्क में रक्त संचार रुक जाने या रक्तस्राव होने के कारण होती है। समय पर इलाज न मिलने पर यह व्यक्ति को

डॉ. सुमित शर्मा (न्यूरोसर्जन)

स्थायी रूप से अपंग बना सकता है या मृत्यु का कारण भी बन सकता है। थोड़ी सी सावधानी और सतर्कता से स्ट्रोक के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह बातें विश्व स्ट्रोक दिवस पर फेलिक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने मरीजों के साथ-साथ उनके परिवार वालों को बताई।

फेलिक्स अस्पताल के न्यूरोसर्जन डॉ. सुमित शर्मा ने बताया कि विश्व स्ट्रोक दिवस को 29 अक्तूबर को मनाया जाता है। स्ट्रोक एक ऐसी स्थिति है, जिसमें मस्तिष्क में रक्त की आपूर्ति में रुकावट आ जाती है, जिससे मस्तिष्क के ऊतकों को ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं मिल पाते। यदि समय पर इसका उपचार न मिले तो यह स्थिति व्यक्ति को स्थायी अपंगता या मृत्यु तक भी पहुंचा सकती है। स्ट्रोक तब होता है जब मस्तिष्क में रक्त प्रवाह बाधित हो जाता है या मस्तिष्क की नस फट जाती है। मस्तिष्क को हमारे शरीर का नियंत्रण केंद्र कहा जाता है, और रक्त प्रवाह की रुकावट से मस्तिष्क के प्रभावित हिस्से के कार्य क्षतिग्रस्त हो सकते हैं।

डॉ सुमित शर्मा के अनुसार स्ट्रोक मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं। इस्केमिक स्ट्रोक में रक्त का थक्का (ब्लड क्लॉट) मस्तिष्क की किसी धमनी में अटक जाता है और रक्त प्रवाह रुक जाता है। हेमरेजिक स्ट्रोक उस स्थिति में होता है जब मस्तिष्क की कोई रक्तवाहिनी फट जाती है और रक्त का रिसाव मस्तिष्क में हो जाता है। यह स्थिति अधिक गंभीर होती है और मस्तिष्क के कई कार्य प्रभावित हो सकते हैं। इस्केमिक स्ट्रोक में खून के थक्के को हटाने के लिए थ्रॉम्बोलिटिक दवाएं दी जाती हैं। इन्हें समय पर देने से रक्त प्रवाह सामान्य हो सकता है। हेमरेजिक स्ट्रोक में रक्तस्राव को रोकने के लिए सर्जरी या विशेष दवाओं का उपयोग किया जा सकता है। रिहैबिलिटेशन स्ट्रोक के बाद पुनर्वास महत्वपूर्ण होता है, जिसमें फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी और पेशेवर सलाह शामिल होती है।

डॉ शर्मा ने बताया कि स्ट्रोक के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें मुख्य रूप से जीवनशैली और स्वास्थ्य संबंधी कारक शामिल हैं। उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) यह स्ट्रोक का सबसे बड़ा कारण है। उच्च रक्तचाप मस्तिष्क की रक्तवाहिनियों पर अत्यधिक दबाव डालता है, जिससे उनका फटना या संकीर्ण होना आसान हो जाता है। मधुमेह की स्थिति में रक्त शर्करा का उच्च स्तर नसों को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे रक्त प्रवाह में अवरोध पैदा हो सकता है। धूम्रपान और अत्यधिक शराब का सेवन रक्तवाहिनियों की दीवारों को कमजोर बना देता है और रक्तचाप बढ़ाता है। ज्यादा वसा और नमक वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करने से रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ सकता है, जो स्ट्रोक का कारण बन सकता है। सीटी स्कैन और एमआरआई के जरिये मस्तिष्क में रक्त प्रवाह की स्थिति का पता लगाया जा सकता है और स्ट्रोक की पुष्टि की जा सकती है। एंजियोग्राफी रक्त वाहिनियों की स्थिति का आकलन करने के लिए किया जाता है। रक्त शर्करा, कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप के स्तर की जांच की जाती है, जो स्ट्रोक की जोखिम संभावना को दर्शा सकते हैं। अभी तक माना जाता था कि स्ट्रोक (लकवा) उम्र के 60 पार होने पर ही होता है पर भागमभाग जिंदगी ने इस मिथ को तोड़ दिया। स्ट्रोक के शिकार युवा (26-40 वर्ष) भी हो रहे हैं। स्ट्रोक के मरीजों के लिए तीन घंटे गोल्डेन समय रहता है, जो युवा या मरीज एक घंटे के अंदर डॉक्टरों के पास पहुंच गए तो उनमें रिकवरी आसान होती है।

स्ट्रोक के लक्षण

- व्यक्ति के चेहरे का एक हिस्सा झुक सकता है, मुस्कुराने पर चेहरे का एक हिस्सा ठीक से न उठे तो यह स्ट्रोक का संकेत हो सकता है।
- व्यक्ति की भाषा अस्पष्ट हो सकती है या उसे बोलने में परेशानी हो सकती है।
- हाथों या पैरों में कमजोरी या सुन्नता महसूस होना।
- एक या दोनों आंखों से देखने में दिक्कत हो सकती है।
- तीव्र सिर दर्द, विशेषकर यदि यह अन्य लक्षणों के साथ हो तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

ब्रेन स्ट्रोक से बचने के लिए फास्ट (FAST) कारगर है। फास्ट का पहला अक्षर F है। एफ का मतलब फेस से है। इंसान को मुस्कराने के लिए कहें। अगर चेहरे का एक हिस्सा लटका हुआ लगता है, तो स्ट्रोक का खतरा हो सकता है। फास्ट का दूसरा अक्षर UA है। यहां ए का मतलब आर्म से है. इंसान को दोनों हाथ ऊपर उठाने के लिए कहें। अगर एक हाथ नीचे की तरफ आ रहा है, तो यह स्ट्रोक का खतरा हो सकता है। फास्ट का तीसरा अक्षर S है। यहां पर एस से मतलब स्पीच से है। जिस पर स्ट्रोक का खतरा आपको दिख रहा है, तो उसे कोई एक शब्द बोलने के लिए कहें। अगर उसी शब्द को दोहराने में आवाज लड़खड़ाती है, तो स्ट्रोक का खतरा बहुत नजदीक है। फास्ट का चौथा शब्द T है। यह ब्रेन स्ट्रोक के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। ऊपर के तीन लक्षणों में से कोई एक लक्षण अगर आपको दिखाई देता है, तो यह समय बर्बाद करने का नहीं है। तुरंत आपातकालीन अस्पताल ले जाएं। समय से पहले पहुंचने पर स्ट्रोक के मरीज को विकलांगता और मौत से बचाया जा सकता है।

स्ट्रोक से बचाव

- **स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम, और धूम्रपान व शराब से दूरी बनाए रखना स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है।**
- **बच्चों और युवाओं को स्ट्रोक के जोखिम कारकों और बचाव के उपायों के बारे में जानकारी देना आवश्यक है।**
- **उच्च रक्तचाप और मधुमेह को नियंत्रण में रखना जरूरी है। इसके लिए नियमित जांच और डॉक्टर की सलाह का पालन करें।**
- **मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव को कम करने के लिए योग और ध्यान का सहारा लिया जा सकता है।**

किंग्स कप

पेनल्टी पर गोल नहीं कर पाए रोनाल्डो, फैन का मोबाइल भी तोड़ा, किंग्स कप से अल नासर बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। सऊदी अरब में किंग्स कप में अल नासर और अल तावौन का प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला हो रहा था। मैच में नासर की टीम 1-0 से पीछे थी। इंजरी टाइम (90+5 मिनट) में तावौन के कप्तान से गलती हुई और अल नासर को पेनल्टी मिल गई। पेनल्टी फुटबॉल इतिहास में सबसे ज्यादा गोल मारने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो लेने आए। सभी को उम्मीद थी कि वह गोल मारकर मैच को बराबर कर देंगे। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के अल नासर के लिए पेनल्टी का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने इस मैच से पहले 18 बार पेनल्टी ली थी और सभी पर गोल भी दागा लेकिन इस बार पुर्तगाल के खिलाड़ी को गोल करने में सफलता नहीं मिली। इसकी वजह से उनकी टीम हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। उनका शॉट बार के ऊपर से निकल गई। किंग्स कप सऊदी अरब की प्रमुख नॉकआउट प्रतियोगिता है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शॉट से गोल नहीं हुआ और एक फैन का नुकसान भी हो गया। गोल पोस्ट के पीछे स्टैंड में बैठा एक फैन अपने फोटो से पेनल्टी रिकॉर्ड कर रहा था। लेकिन गेंद पोस्ट से ऊपर से सीधे उसके हाथ में आकर लगी। इससे उसका मोबाइल हाथ से गिर गया। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। अल तावौन ने 1-0 से जीत हासिल कर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रोनाल्डो ने लगभग दो साल पहले अल नासर के साथ अनुबंध किया था लेकिन वह अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं।

आईपीएल: 2025 में आरसीबी की कप्तानी कर सकते हैं कोहली

नईदिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी कर चुके विराट कोहली एक बार फिर टीम की कमान संभाल सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कोहली ने पहले ही मैनेजमेंट के साथ चर्चा की है और कप्तानी में वापसी के लिए तैयार हैं। हालांकि, इसका अंतिम निर्णय नवंबर में होने वाले मेगा ऑक्शन के बाद ही होगा। कोहली ने 9 सीजन तक आरसीबी की कप्तानी की, लेकिन 2021 में उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद 2022 में फाफ डु प्लेसिस ने पिछले तीन सीजन टीम की कमान संभाली। 40 साल के डु प्लेसिस के अगले सीजन के लिए के रिटेंशन की संभावना कम बताई जा रही है। रिटेंशन की आखिरी तारीख 31 अक्टूबर आईपीएल के मेगा ऑक्शन-2024 के लिए प्लेयर्स रिटेंशन की आखिरी तारीख गुरुवार, 31 अक्टूबर है। कल शाम 5 बजे से पहले सभी फ्रेंचाइजी अपने-अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों के नाम आईपीएल की आयोजन समिति भेजेंगी। इसी लिस्ट के साथ तय हो जाएगा कि कौन-सा खिलाड़ी, किस फ्रेंचाइजी के साथ खेलेगा। 9 साल आरसीबी के कप्तान रहे कोहली विराट कोहली 2013 से 2021 तक आरसीबी के कप्तान रहे। उनकी कप्तानी में 2016 में आरसीबी ने फाइनल तक का सफर तय किया था, जिसमें उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद से हार का सामना करना पड़ा था। कुल मिलाकर कोहली ने 143 मैचों में कप्तानी की, जिसमें से 66 मैचों में जीत और 70 में हार हुई। पिछले तीन सीजन में फाफ डुप्लेसी की कप्तानी में टीम ने 2022 और 2024 में प्लेऑफ में जगह बनाई, हालांकि 2023 में वह प्लेऑफ से चूक गई।

आईसीसी की रैंकिंग में बड़ा उलटफेर, बुमराह से छिन गया नंबर-1 का ताज

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड की टीमों के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है. इस रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है. भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से टेस्ट में नंबर-1 बॉलर का ताज छिन गया है. न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन अभी तक कुछ खास नहीं रहा है, जिसके चलते साउथ अफ्रीका का एक गेंदबाज उनसे आगे निकल गया है. इस अफ्रीकी गेंदबाज ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ कमाल का खेल दिखाया था.

जसप्रीत बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में एक भी विकेट नहीं मिला था, इसका नुकसान उन्हें ताजा टेस्ट रैंकिंग में उठाना पड़ा है. वह अब पहले नंबर से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं. वहीं, साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा अब टेस्ट के नए नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं. कगिसो रबाडा हाल ही में टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में गेंदों से लिहाज से सबसे

तेज 300 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे, अब उन्हें इसका इनाम आईसीसी की ओर से टेस्ट रैंकिंग में मिल गया है.साउथ अफ्रीका की टीम इस समय बांग्लादेश के दौरे पर है. दोनों टीमों के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है. इस सीरीज के पहले मैच में साउथ अफ्रीका की टीम ने बाजी मारी थी. इस जीत के हीरो कगिसो रबाडा ही रहे थे. कगिसो रबाडा ने मुकाबले में कुल 9 विकेट हासिल किए थे. उन्होंने मैच की पहली पारी में कुल 3 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया था और फिर दूसरी पारी में 6 विकेट चटकाए थे.

टीम इंडिया के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल को ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है. वह अब टेस्ट में नंबर-3 के बल्लेबाज बन गए हैं. वहीं, ऋषभ पंत को 5 स्थानों का नुकसान हुआ है. वह अब 11 नंबर पर पहुंच गए हैं. विराट कोहली भी 6 स्थान खिसक कर 14वें नंबर पर आ गए हैं. रोहित शर्मा को एक बार फिर भारी नुकसान हुआ है. वह अब 9 स्थानों का सामना करने के बाद 24वें नंबर पर आ गए हैं. इसके अलावा शुभमन गिल भी 19 से 20वें नंबर पर आ गए हैं.

स्मृति ने शतक जड़ रचा इतिहास न्यूजीलैंड को किया पस्त

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने घर में न्यूजीलैंड की महिला टीम को वनडे सीरीज में करारी शिकस्त दी है. तीन मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला मंगलवार (29 अक्टूबर) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुआ. इसमें स्मृति मंधाना के शतक के बदौलत भारतीय टीम ने 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की. इसी के साथ सीरीज पर 2-1 से कब्जा जमा लिया है. सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम ने 59 रनों से जीत दर्ज की थी. जबकि दूसरा वनडे कीवी टीम ने 76 रनों से जीता था.

मंधाना ने शतक जड़कर रचा इतिहास

मैच में न्यूजीलैंड टीम ने 233 रनों का टारगेट दिया था. जवाब में भारतीय टीम ने 4 विकेट गंवाकर 44.2 ओवर में ही मुकाबला अपने नाम कर लिया. ओपनर मंधाना ने 122 गेंदों पर 100 रनों की पारी खेली और इतिहास रच दिया. मंधाना अब भारत के लिए सबसे ज्यादा 8 वनडे शतक जड़ने वाली महिला क्रिकेटर बन गई हैं. इस मामले में मंधाना ने पूर्व कप्तान मिताली राज को पछाड़ दिया है, जिन्होंने 232 वनडे मैचों में 7 शतक जमाए थे. मंधाना ने यह उपलब्धि 88वें मैच में ही हासिल कर ली है. अपनी पारी में मंधाना ने 10 चौके जमाए.

गेंदबाजी में दीप्ति और प्रिया ने दिखाया कमाल

मैच में मंधाना के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी अर्धशतकीय पारी खेली. उन्होंने 68 गेंदों पर 70 रनों की नाबाद पारी खेली. जबकि विकेटकीपर बैटर यास्तिका भाटिया ने 49 गेंदों पर 35 रन जड़े. न्यूजीलैंड के लिए हन्ना रोवे ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए. कप्तान सोफी डिवाइन और फ्रान जोनास को 1-1 विकेट मिला.इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम ने 88 रनों पर 5 विकेट गंवा दिए थे. इसके बाद ब्रुक हॉलिडे ने 96 गेंदों पर 86 रन बनाकर टीम को संभाला और 232 रनों के बड़े स्कोर तक पहुंचाया. उनके अलावा जॉर्जिया प्लिमर ने 39, इसाबेला गेज ने 25 और ली ताहुहु ने 24 रन बनाए. भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा 3 और प्रिया मिश्रा ने 2 विकेट लिए.

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मुख्य कोच मैकडोनाल्ड का कार्यकाल बढ़ाया

सिडनी, एजेंसी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को अपनी राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड का कार्यकाल 2027 तक बढ़ा दिया, जिसका मतलब है कि वह दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप तक इस पद पर बने रहेंगे। मैकडोनाल्ड ने 2022 की शुरुआत में जस्टिन लैंगर की जगह यह पद संभाला था।

उनके कोच रहते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप में चैंपियन बनी। इसके अलावा उसने इंग्लैंड में एशेज भी बरकरार रखी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने कहा, 'एंड्रयू पुरुष टीम के उत्कृष्ट कोच साबित हुए हैं। उनके कोच रहते हुए टीम ने असाधारण सफलताएं हासिल की। उन्होंने मजबूत कोचिंग प्रणाली विकसित की और खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए बेहद अच्छा माहौल तैयार किया। हम उनके प्रदर्शन से खुश हैं।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम की घोषणा की, हेटमायर की हुई वापसी

सेंट जॉन्स (एंटीगुआ), एजेंसी। वेस्टइंडीज ने बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम की घोषणा की, जिसमें बाएं हाथ के बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर की वापसी हुई है। पिछले साल के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ खेलने के बाद से हेटमायर ने वेस्टइंडीज के लिए कोई वनडे मैच नहीं खेला है, लेकिन 27 वर्षीय हेटमायर को साथी बल्लेबाज एलिक अथानाज़े के सीधे प्रतिस्थापन के रूप में 15 खिलाड़ियों की टीम में शामिल किया गया है।

इस सीरीज के दौरान शाई होप एक बार फिर कप्तान के रूप में वेस्टइंडीज की अगुआई करेंगे जबकि युवा खिलाड़ी ज्वेल एंड्रयू को हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ पदार्पण करने के बाद प्रभावित करने का एक और मौका मिलेगा। यह सीरीज 31 अक्टूबर को एंटीगुआ में शुरू होगी और 6 नवंबर को बारबाडोस में समाप्त होगी और वेस्टइंडीज के कोच डेरेन सैमी इस चुनौती का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सैमी ने आईसीसी के हवाले से कहा, इंग्लैंड के खिलाफ खेलना हमेशा एक नई चुनौती

प्रदान करता है और एक प्रतिद्वंद्विता को फिर से जगाता है, जिसके लिए खिलाड़ी और कैरेबियाई लोग उत्सुक हैं। किसी तरह, हम वेस्टइंडीज हमेशा इंग्लैंड का सामना करते समय अपने खेल को बेहतर बनाने का एक तरीका ढूंढ लेते हैं। यह प्रतिद्वंद्विता दशकों पुरानी है, और पिछले साल घर पर उन्हें एकदिवसीय श्रृंखला में लंबे समय में पहली बार हराने के बाद हम फिर से एक मजबूत इंग्लैंड टीम की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा, घर पर खेलना हमेशा खास होता है, जहां स्थानीय समर्थन हर मैच में ऊर्जा और जुनून लाता है। 2027 में पुरुष विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने पर हमारी नजर के साथ, हमने एक संतुलित टीम का चयन किया है जो निस्संदेह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी।

शेड्यूलः पहला वनडे- 31 अक्टूबर, एंटीगुआ

दूसरा वनडे -2 नवंबर, एंटीगुआ

तीसरा वनडे - 6 नवंबर, बारबाडोस।

वेस्टइंडीज टीमः शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, कीसी कार्टी, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेटमायर, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोटी, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, हेडन वॉल्श जूनियर

पृष्ठ एक के शेष....

स्पोर्टस सिटी प्रोजेक्ट...

फिर प्रति प्लॉट में 30 प्रतिशत जमीन ग्रुप हाउसिंग और कमर्शल निर्माण को चिन्हित कर दी गई। इस आधार पर नए नक्शे बने और ग्रुप हाउसिंग प्रॉजेक्ट आए। खेल सुविधाएं विकसित नहीं हुई। सीएजी के ऑडिट में जब पूरी गड़बड़ियां सामने आई हैं तो प्राधिकरण से लेकर शासन तक हलचल मची हुई है। दूसरी तरफ ओसी-सीसी पर रोक से हजारों फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री भी फंसी हुई है। ऐसे में अब इस फाइल को केबिनेट के सामने रखा जाएगा।

दीपावली मनाने लौट....

बताया जा रहा है कि हाईवे पर गलत दिशा से ट्रैक्टर आ रहा था, जिससे टेंपो टकरा गया। इसी बीच पीछे से आई कार भी डिवाइडर से टकरा गई।

ट्रैक्टर की टक्कर से टेंपो के परखच्चे उड़ गए। चीख-पुकार मचने पर आसपास के लोग जुट गए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने एंबुलेंस से सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां छह लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। मरने वालों में पाना देवी, सुषमा, कन्हई, अतुल, शीनू व कार्तिक शामिल है। जबकि कप्तान सिंह, टेंपो चालक मनोज, मेघ सिंह,धर्मवीर, व अमन घायल हो गए हैं।

मुठभेड़ में दो बदमाश घायल, काम्बिंग में पकड़े तीन बदमाश

नोएडा (चेतना मंच)। दीपावली के अवसर की जा रही वाहनों की चेकिंग के दौरान सेक्टर-34 कट पर दो थानों की पुलिस और इंटर स्टेट वाहन चोरों के गैंग के बीच हुई मुठभेड़ में दो बदमाश घायल हो गए जबकि तीन बदमाशों को पुलिस ने कांबिंग ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तार किया है। बदमाशों के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल और अवैध हथियार बरामद किए गए हैं।

एडिशनल डीसीपी, नोएडा मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस की गोलियों से घायल दोनों बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है,एडिशनल डीसीपी मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि नोएडा ज़ोन के क्षेत्र में जगह जगह संयुक्त टीमें बनाकर चेकिंग की जा रही थी। थाना सेक्टर-24 पुलिस और थाना सेक्टर-49 पुलिस सेक्टर-54 चौकी से 57 रेड लाइट के बीच चौड़ा गांव पर बैरियर लगाकर चेकिंग की जा रही थी तभी दो मोटरसाइकिल पर सवार पांच व्यक्ति सेक्टर-34 कट की तरफ से आते दिखाई दिए जो पुलिस टीम को देखकर पीछे मुड़कर भागने का प्रयास करने लगे। जब उनको रोकने का प्रयास किया गया, उनके द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग की गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाही में दो बदमाश पुलिस की गोली से घायल हुए। घायल बदमाशों की पहचान सौरभ और विशाल के रूप में हुई।

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि ये बदमाश एक अंतर्राज्यीय और अंतर जनपदीय गिरोह के सदस्य हैं। इनके विरुद्ध कई मुकदमे कई थानों में पंजीकृत है। ये लूट और चोरी के मुकदमे अभी जेल जा चूके है। इनके साथ तीन बदमाश आकाश सिंह, फैजान खान उर्फ छोटू और आकाश मौर्या को कांबिंग के दौरान सेक्टर 54 के खरगोश पार्क से पकड़ा गया. इनके पास से दो तमंचा बरामद हुआ जो घटना में प्रयोग किया गया था। दो बाइक बरामद हुई, जो हाल ही में इनके द्वारा चोरी की गई थी।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को साइबर अपराधियों से बड़ा खतराः प्रहार रिपोर्ट

नई दिल्ली एजेंसी। निर्लाभ - संगठन प्रहार की एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक शक्ति के रूप में भारत के उदय को, इसकी वृद्धि को अस्थिर करने के उद्देश्य से, इसकी सीमाओं के भीतर और बाहर, लगातार, समन्वित प्रयासों से खतरा हो रहा है। प्रहार एक निर्लाभ - संगठन है, जो सार्वजनिक क्षेत्र में मौजूद उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें यदि संबोधित नहीं किया गया, तो भारतीय नागरिकों में असहायता पैदा हो सकती है।द इनविजिबल हैंड शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी विशेषज्ञों, विशेषकर साइबर जगत और साइबर खतरों की जटिलताओं से अच्छी तरह वाकिफ विशेषज्ञों से व्यापक परामर्श और इनपुट शामिल हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर, 2024 की पहली तिमाही में साइबर हमलों में 76त्र की वृद्धि हुई है, जिसमें भारत सबसे अधिक प्रभावित देशों में से एक है। यह उछाल उद्योगों में मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों की बढ़ती आवश्यकता को दर्शाता है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जो साइबर अपराधियों द्वारा तेजी से लक्षित किए जाते हैं।

पैरालिसिस को ठीक करने के लिए समय पर कार्रवाई की हिमायत की

अहमदाबाद , एजेंसी। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने विश्व स्ट्रोक दिवस के उपलक्ष्य में स्ट्रोक के मरीजों के लिए समय पर कार्रवाई की हिमायत की, ताकि इस बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाई जा सके कि ऐसे मरीजों के इलाज के लिए तुरंत और समय पर कदम उठाने से ज़्यादा-से-ज़्यादा लोगों को विकलांगता से बचाना संभव है। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद में सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोसर्जन, डॉ. मुकेश शर्मा इस अस्पताल में न्यूरोसाइंसेज विभाग की कमान संभाल रहे हैं। स्ट्रोक के ज़्यादातर मरीज इसके शुरुआती लक्षणों का अनुभव करते हैं, लेकिन वे इस पर कभी गंभीरता से ध्यान नहीं देते हैं। स्ट्रोक मुख्य रूप से दो प्रकार होते हैं। पहले है इस्केमिक स्ट्रोक, जिसमें खून के थक्के, यानी थ्रोम्बस का निर्माण होता है जो आर्टरी में रुकावट डालते हैं। हेमरैजिक स्ट्रोक इसका दूसरा प्रकार है, जिसमें मस्तिष्क के भीतर मौजूद ब्लड वेसल्स से खून का बहाव अनियंत्रित हो जाता है। इन दिनों युवाओं में भी स्ट्रोक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। 18 से 44 साल की उम्र के लोगों में स्ट्रोक के मामलों में 14.6त्र की बढ़ोतरी हुई है; 45 से 64 साल की उम्र के लोगों में इसकी मामलों में 15.7त्र की वृद्धि हुई है। समय से पहले होने वाले एथेरोस्क्लेरोसिस में, खासकर युवाओं में इसके मामलों में भी बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसमें ब्लड वेसल्स सख्त हो जाते हैं और उनमें रुकावट आ जाती है। वास्तव में, इस उम्र के लोगों में वैस्कुलर, यानी रक्त-वाहिकाओं से जुड़े जोखिम कारकों में वृद्धि ही इसके मामलों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण है।

रॉकेट सा भाग रहा सोलर शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर स्टॉक ओरियाना पावर रॉकेट सा भाग रहा है। ओरियाना पावर के शेयर बुधवार को 10 पर्सेंट की तूफानी तेजी के साथ 2101.25 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने पिछले करीब 15 महीने में निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। ओरियाना पावर के शेयर पिछले 15 महीने में 1500 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। ओरियाना पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2984 रुपये है। वहीं, सोलर कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 305 रुपये है।

118 रुपये के दाम पर आया था कंपनी का आईपीओ

ओरियाना पावर का आईपीओ अगस्त 2023 में आया था। कंपनी का आईपीओ 1 अगस्त 2023 को खुला था और यह 3 अगस्त तक ओपन रहा। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 118 रुपये था। ओरियाना पावर के शेयर 11 अगस्त 2023 को 302 रुपये पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के स्स्ब्ध प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग वाले दिन कंपनी के शेयर तेजी के साथ 317.10 रुपये पर बंद हुए। लिस्टिंग के बाद से कंपनी के शेयरों में धुआंधार तेजी देखने को मिल रही है।

धनतेरस पर बिका 35 टन सोना, चांदी की बिक्री में 30 प्रतिशत उछाल

▶ एसयूवी और लग्जरी वाहन भी खूब खरीदे गए

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के महासचिव सुरेंद्र मेहता ने बताया, धनतेरस पर 28,000 करोड़ रुपये के 35 टन सोने की बिक्री हुई। हालांकि, बीते धनतेरस से तुलना करें तो मात्रा के लिहाज से सोने की बिक्री में 15-16 फीसदी की गिरावट रही।उस दौरान कुल 42 टन सोना बिका था।

मेहता ने बताया, इस बार चांदी का प्रदर्शन चौंकाने वाला रहा और बिक्री में बीते धनतेरस के मुकाबले 30 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने बताया, आभूषणों के अलावा सोने के सिक्कों व बार की भी जबरदस्त मांग रही।सोने की कुल बिक्री में सिक्कों और बार का योगदान 14 टन रहा।

अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद के चेयरमैन संयम मेहरा ने कहा, कामकाजी दिन होने के कारण धनतेरस की

सुबह बाजार में कम संख्या में लोग निकले।दोपहर दो-ढाई बजे के बाद सराफा बाजारों में भीड़ दिखने लगी।खरीदारी का रुझान अच्छा रहा।

मूल्य के लिहाज से बिक्री में 18-20 फीसदी तेजी रही, जबकि मात्रा के हिसाब से 10 फीसदी कम रही। विश्व स्वर्णपरिषद के क्षेत्रीय सीईओ (भारत) सचिन जैन ने बताया, युवा खरीदारों में दो से आठ ग्राम तक के सोने के सिक्के, चेन, झुमके व कंगन जैसे हल्के वजन वाले आभूषणों का आकर्षणदेखने को मिला।रिसाइकिल गहनों की भी मांग बेहतर रही।

एसयूवी और लग्जरी वाहनों में भी उछाल

गाड़ियों की बिक्री के लिहाज से भी धनतेरस वाहन कंपनियों के लिएकाफी अच्छा रहा।एसयूवी के साथलग्जरी कारों की मांग में भी तेजी रही।मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ संतोष अय्यर ने कहा, इस धनतेरस कंपनी ने अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ बिक्री दर्ज की है। किआ इंडिया ने बताया, उसने इस खास अवसर पर करीब 6,000 कारों की डिलीवरी की है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने दिल्ली-एनसीआर में एक ही दिन में 100 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी की।

सुरेंद्र मेहता के अनुसार, धनतेरस पर चांदी की बिक्री में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सोने की मात्रा में 15 प्रतिशत की गिरावट आई। उन्होंने इस बदलाव को सोने की ऊंची कीमतों के बीच रिटर्न की तलाश के रूप में समझाया, क्योंकि चांदी को अधिक व्यावहारिक निवेश माना जाता है। मेहता के अनुसार, इस धनतेरस पर सोने की बिक्री 35 टन तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 42 टन से कम है। पिछली दिवाली के बाद से सोने की कीमतों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है; मंगलवार को 10 ग्राम मानक सोना 78,430 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद से 0.6 प्रतिशत अधिक है।

5 नवंबर से खुल रहा सैगिलिटी इंडिया काआईपीओ

▶ प्राइस बैंड 30, निवेश के लिए पैसों का कर लें इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए यह काम की खबर है। अगले सप्ताह एक और कंपनी का आईपीओ आ रहा है। यह आईपीओ - सैगिलिटी इंडिया का है। सैगिलिटी इंडिया आईपीओ निवेश के लिए 5 नवंबर को खुलेगा और 7 नवंबर को बंद होगा। इसका प्राइस बैंड 28 से 30 प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 5 नवंबर को खुलेगा और 7 नवंबर को बंद होगा। बता दें कि कंपनी इश्यू के अपर प्राइस बैंड पर 2,106.60 जुटाने की योजना बना रही है। सैगिलिटी इंडिया आईपीओ पूरी तरह से 70.22 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) है, जिसमें प्रमोटर सैगिलिटी बी.वी. हिस्सेदारी बेच रही है।

क्या है डिटेल

सैगिलिटी इंडिया आईपीओ के लिए एंकर आवंटन सोमवार, 4 नवंबर को खुलेगा। इस बीच, आवंटन के आधार को शुक्रवार, 8 नवंबर को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है और शेयरों का क्रेडिट उसी दिन होने की उम्मीद है। शेयर मंगलवार, 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होने की संभावना है। निवेशक न्यूनतम 500 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद कई गुना में बोली लगा सकते हैं। कंपनी कर्मचारी आरक्षण हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को प्रति शेयर 2 की छूट दे रही है।

कंपनी की योजना

आईपीओ में शुद्ध प्रस्ताव का कम से कम 75 प्रतिशत योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व है। वहीं, 15 प्रतिशत से अधिक प्रस्ताव गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) और रिटेल निवेशकों के लिए 10 प्रतिशत रिजर्व हैं। कंपनी के कर्मचारियों के लिए 19,00,000 तक शेयर रिजर्व हैं। कंपनी अमेरिकी हेल्थ सर्विस इंडस्ट्रीज में ग्राहकों को प्रौद्योगिकी-सक्षम व्यावसायिक समाधान और सेवाएं प्रदान करती है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, आईआईएफएल सिक्योरिटीज, जेफरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और जे.पी. मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं जबकि लिंक इनटाइम इंडिया इश्यू के रजिस्ट्रार हैं।

धनतेरस पर मुकेश अंबानी को 68.6 करोड़ डॉलर का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में गिरावट के बीच मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में तेजी दिख रही है। इससे पहले मंगलवार को भी कंपनी के शेयरों में तेजी रही थी। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी का शेयर कल 0.30 प्रतिशत तेजी के साथ बंद हुआ था। इससे कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 68.6 करोड़ डॉलर यानी करीब 57,67,79,81,957 रुपये की तेजी आई। इसके साथ ही वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एक स्थान ऊपर चढ़ गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर लिस्ट में अंबानी 102 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 16वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 5.23 अरब डॉलर की तेजी आई है।

इस बीच अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में मगंलवार को 80.6

करोड़ डॉलर की तेजी आई। वह 92.4 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 18वें नंबर पर बने हुए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 8.10 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह एशियाई अमीरों की लिस्ट में मुकेश अंबानी के बाद दूसरे नंबर पर हैं। दुनिया के टॉप 20 अमीरों में से इस साल तीन की नेटवर्थ में गिरावट आई है। इनमें फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट, मेक्सिको के कार्लोस स्लिम और फ्रांस की फांस्वा बेटनकोर्ट मायर्स शामिल हैं।

डीआरडीओ से 491 करोड़ का मिला ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। शिपबिल्डर्स कंपनी को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के लिए एकॉस्टिक रिसर्च शिप डिजाइन करने के लिए 491 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिलने के बाद गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स के शेयरों में 4 प्रतिशत से अधिक की उछाल आई। दोपहर 1=20 बजे के करीब गार्डन रीच के शेयरों में 4.66 प्रतिशत की तेजी आई और यह 1621.80 रुपये पर पहुंच गया।

यह स्टॉक इस साल अब तक यह 85 प्रतिशत का रिटर्न दे चुका है। यह निफ्टी 50 से काफी बेहतर प्रदर्शन है, जो इसी अवधि के दौरान केवल 13 प्रतिशत बढ़ा है। आज हुई इस बढ़त ने कंपनी के लिए लगातार तीसरे सत्र में बढ़त दर्ज की, हालांकि अगस्त से अक्टूबर तक इसने निगेटिव रिटर्न दिया है।

36 महीने के भीतर पूरा होगा प्रोजेक्ट

29 अक्टूबर को गार्डन रीच ने घोषणा की कि उसे कोच्चि में रक्षा मंत्रालय के तहत नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला से लेटर ऑफ इंटेंट प्राप्त हुआ है। इस कांट्रैक्ट में एक एकॉस्टिक रिसर्च शिप का डिजाइन, विकास, निर्माण, उपकरणों का एकीकरण, परीक्षण, प्रमाणन, कमीशनिंग और आपूर्ति शामिल है। इस प्रोजेक्ट पर हस्ताक्षर होने के 36 महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है और इसमें किसी भी संबंधित पक्ष के साथ लेनदेन शामिल नहीं है।

युद्धपोत बनाने में माहिर

गार्डन रीच भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के लिए युद्धपोत बनाने में माहिर है, जिसमें फ्रिगेट, कोरवेट, लैंडिंग शिप टैंक, गश्ती जहाज और बेड़े के टैंकर सहित कई तरह के जहाज बनाए जाते हैं। कंपनी रक्षा और वाणिज्यिक दोनों क्षेत्रों के लिए जहाज मरम्मत सेवाएं भी देती है। 1934 में निगमित, गार्डन रीच 2017 में एक सार्वजनिक कंपनी बन गई और रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करती है।

वृद्धि होम फाइनेंस ने 310 करोड़ की सीरीज़ बी फंडिंग जुटाई

मुंबई, एजेंसी। टेक-समर्थित हाउसिंग फाइनेंस कंपनी वृद्धि होम फाइनेंस ने 310 करोड़ की सीरीज़ बी फंडिंग जुटाई है। इस राउंड का नेतृत्व नॉरवेस्ट वेंचर पार्टनर्स ने किया, जबकि मौजूदा निवेशक एलिवेशन कैपिटल और कंपनी के संस्थापकों ने भी इसमें भाग लिया। वृद्धि का उद्देश्य भारत में हाउसिंग फाइनेंस को सभी के लिए सुलभ बनाना है। कंपनी ग्राहक-केंद्रितता, सही जोखिम प्रबंधन प्रथाओं और एक मजबूत वितरण नेटवर्क के निर्माण में निवेश कर रही है। 2022 में अपनी स्थापना के बाद से, कंपनी ने 5 राज्यों में विस्तार किया है, जिसमें कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में 51 शाखाओं के साथ 200 करोड़ से अधिक का एयूएम है।

वृद्धि होम फाइनेंस के संस्थापक, एमडी और सीईओ,

सुनकू राम नरेश ने कहा हमारा मिशन केवल लोन प्रदान करना नहीं है हम असंगठित आय और स्व-नियोजित ग्राहकों के लिए भरोसेमंद वित्तीय सेवा प्रदाता बनना चाहते हैं, ताकि वे अपने घर का सपना साकार कर सकें। हम अपने फिजिटल मॉडल के माध्यम से उत्कृष्ट सेवा डिलीवरी सुनिश्चित करके परंपरागत रूप से उपेक्षित क्षेत्रों में घर के स्वामित्व को सुलभ बना रहे हैं। नॉरवेस्ट और एलिवेशन कैपिटल से मिला यह समर्थन हमारे टेक्नोलॉजी-आधारित नवाचार को प्रमाणित करता है।

निखिल कूकाडा, प्रिंसिपल, नॉरवेस्ट वेंचर पार्टनर्स ने कहा नॉरवेस्ट को राम, संदीप, सुनील और वृद्धि टीम के साथ साझेदारी करने की खुशी है क्योंकि वे एक तकनीक-सक्षम और सस्ती आवास वित्त संस्था का निर्माण कर रहे हैं।

4300 से अधिक टूट गया यह शेयर

एक ही दिन में बड़ी गिरावट से निवेशक हैरान, दिवाली से पहले झटका

इंजीनियरिंग फर्म हनीवेल ऑटोमेशन के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में आज तगड़ी गिरावट है।

हनीवेल ऑटोमेशन का शेयर बीएसई पर 9 प्रतिशत यानी 4,358 रुपये टूटकर 44630.30 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसका पिछला बंद भाव 48989.05 रुपये है। कंपनी के शेयरों में इस बड़ी गिरावट के पीछे सितंबर तिमाही के खराब नतीजे हैं।

कंपनी के शेयरों के हाल

आज की गिरावट को शामिल करते हुए, पिछले तीन महीनों में स्टॉक का घाटा 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। कंपनी के शेयर इस साल 20 पर्सेंट और सालभर में 25 प्रतिशत तक चढ़ा है। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 59,700 रुपये और 52 वीक का लो प्राइस 34,990 रुपये है।

क्या है डिटेल

सुस्त मांग के बीच कंपनी के दूसरी तिमाही के नेट प्रॉफिट में ने 5.6 प्रतिशत की गिरावट के साथ 115 करोड़ रुपये (.13.7 मिलियन) रहा, यह पिछले साल की समान अवधि में 122 करोड़ रुपये से कम है। बता दें कि हनीवेल ऑटोमेशन इंडिया इमिशिन में कमी और एनर्जी बदलावों के उद्देश्य से प्रोडक्ट्स डिजाइन करने के साथ-साथ इंडस्ट्रियल ग्राहकों को बिल्डिंग ऑटोमेशन समाधान प्रदान करने में माहिर है। हाल के एक सर्वेक्षण में अगस्त और सितंबर के दौरान भारत के विनिर्माण क्षेत्र में धीमी वृद्धि की प्रवृत्ति का संकेत दिया गया है। इसके बावजूद, कंपनी अपने मार्जिन को बरकरार रखने में कामयाब रही, जो कि दूसरी तिमाही में 12.6 प्रतिशत पर आ गया, जो कि एक साल पहले की तिमाही में 12.5 प्रतिशत से थोड़ा अधिक था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल रूप से मेरिल के एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग सेंटर का किया उद्घाटन

वापी, (गुजरात), एजेंसी। भारत की प्रमुख ग्लोबल मेडटेक कंपनी मेरिल ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत मेरिल के अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल भी मौजूद रहेोरिल मेडिकल उपकरणों का प्रमुख निर्माता और निर्यातक है। कंपनी ने मेक इन इंडिया के तहत उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण बनाकर देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत किया है। इसके द्वारा भारत की विदेशों पर निर्भरता कम करने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान दिया जा रहा है।2024 के वाइब्रेंट गुजरात समिट में मेरिल ने गुजरात सरकार के साथ एक एमओयू साइन किया है, जिसमें मेडिकल उपकरण क्षेत्र में 910 करोड़ रुपये का नया निवेश करने का वादा किया गया। अब तक, मेरिल ने 1,400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है, जो भारत के मेडिकल टेक्नोलाजी क्षेत्र को विकसित करने में योगदान दे रहा है। नए निवेश से 5,000 नौकरियां पैदा होंगी और महत्वपूर्ण मेडिकल उपकरणों के आयात में कमी आएगी।पीएलआई योजना के तहत, मेरिल के चार समूह की कंपनियां जो स्ट्रक्चरल हार्ट, वेस्कुलर इंटरवेंशंस, ऑर्थोपेडिक्स, और एंडो सर्जरी में काम करती हैं, उन्हें शामिल किया गया है, जिससे आवश्यक उपकरणों का घरेलू उत्पादन हो सकेगा। - विवेक शाह, सीईओ, मेरिल ने कहा कि हम भारत की आत्मनिर्भर स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि को साकार करने के लिए पीएलआई योजना के तहत मान्यता प्राप्त होने पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

आठ गुना बढ़ गया अडानी की इस कंपनी का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में बिकवाली के बीच अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर पर बुधवार को निवेशक टूट पड़े। शेयर में यह तेजी कंपनी के शानदार तिमाही नतीजे के बाद आई है। बता दें कि अडानी एंटरप्राइजेज का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में आठ गुना बढ़ गया है।

शेयर का हाल

अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर की बात करें तो यह 5 फीसदी बढ़कर 2986.90 रुपये पर पहुंच गया। जून 2024 में शेयर की कीमत 3,743 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। नवंबर 2023 में शेयर की कीमत 2,142.30 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो लेवल है।

आठ गुना बढ़ा मुनाफा

सितंबर तिमाही में अडानी एंटरप्राइजेज का मुनाफा आठ गुना बढ़कर 1,741 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले 2023-24 की इसी तिमाही में कंपनी को 228 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था।

अडानी एंटरप्राइजेज की कर पूर्व आय 46 प्रतिशत बढ़कर 4,354 करोड़ रुपये जबकि आमदनी 15 प्रतिशत बढ़कर 23,196 करोड़ रुपये रही। कंपनी का कोयला को छोड़कर अन्य सभी मुख्य कारोबार में लाभ और कारोबार दोनों बढ़े हैं।

किस सेक्टर का कैसा कारोबार

सोलर मॉड्यूल और विंड चक्की विनिर्माण जैसे कारोबार से जुड़ी अडानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड का कर-पूर्व लाभ 78 प्रतिशत बढ़कर 1,121 करोड़ रुपये रहा, जबकि हवाई अड्डा कारोबार में यह 31 प्रतिशत बढ़कर 744 करोड़ रुपये रहा।

दीपावली अथवा दिवाली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। त्योहारों का जो वातावरण धनतेरस से प्रारम्भ होता है, वह आज के दिन पूरे चरम पर आता है। दीपावली की रात्रि को घरों तथा दुकानों पर भारी संख्या में दीपक, मोमबत्तियां और बल्ब जलाए जाते हैं। दीपावली भारत के त्योहारों में अपना विशिष्ट स्थान रखती है। इस दिन लक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है। रात्रि के समय प्रत्येक घर में धनधान्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मीजी, विघ्न-विनाशक गणेश जी और विद्या एवं कला की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की पूजा-आराधना की जाती है।

अज्ञान पर ज्ञान की विजय का उत्सव दीपावली

दिवाली, जिसे संपूर्ण विश्व में प्रकाश के त्यौहार के रूप में जाना जाता है, बुराई पर अच्छाई की, अंधकार पर प्रकाश की तथा अज्ञान पर ज्ञान की विजय का त्यौहार है। आज के दिन घरों में रोशनी न केवल सजावट के लिए होती है,किंतु यह जीवन कथा सत्य को भी अभिव्यक्त करती है। प्रकाश अंधकार को मिटा देता है, और जब ज्ञान के प्रकाश से आपके अंदर का अंधकार मिट जाता है, आप में अच्छाई बुराई पर विजय प्राप्त कर लेती हैं।

दिवाली मुख्यत: प्रत्येक हृदय में ज्ञान के प्रकाश को प्रज्वलित करने के लिए मनाई जाती है, प्रत्येक घर में जीवन, प्रत्येक मुख पर मुस्कान लाने के लिए मनाई जाती है।

दिवाली शब्द दीपावली का लघु रूप है, जिस का शाब्दिक अर्थ है प्रकाश की पंक्ति। जीवन के बहुत से पहलुओं तथा स्तर होते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप उन सभी पर प्रकाश डालें क्योंकि यदि आपके जीवन का एक भी पहलू अंधकार मय होगा तो, आपका जीवन कभी भी पूर्णता अभिव्यक्त नहीं हो सकेगा।

इसलिए दिवाली में दीपों की पंक्तियां प्रज्वलित की जाती है कि आपको ध्यान रहे कि आपके जीवन के प्रत्येक पहलू को आपके ध्यान की तथा ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता है।

आपके द्वारा प्रज्वलित प्रत्येक दीप, सदगुण का प्रतीक है।प्रत्येक मनुष्य में सद्गुण होते हैं। कुछ में धैर्य होता है, कुछ में प्रेम, शक्ति, उदारता: अन्य में लोगों को संगठित करने की क्षमता होती है। आप में स्थित प्रकट मूल्य दिए के समान है जैसे ही वह प्रज्ज्वलित हो जाएं,जागृत हो जाएं,दीवाली है।

केवल एक ही दीप का प्रज्वलित कर संतुष्ट न हो, हजार दीप प्रज्वलित करें। यदि आप में सेवा का भाव है, केवल उससे ही संतुष्ट न हो, अपने में ज्ञान का दीप जलाएं, ज्ञान अर्जित करें। अपने अस्तित्व के सभी पहलुओं को प्रकाशित करें।

दिवाली का एक और गुण रहस्य पटाखों के फूटने में है। जीवन में आप कई बार पटाखों के समान होते हैं, अपनी दबी हुई भावनाओं, हताशा तथा क्रोध के साथ फूट पढ़ने के लिए तैयार। जब आप अपने राग-द्वेष, घृणा को दबाये रखते हैं फूट पढ़ने की सीमा पर पहुंच जाता है। पटाखे फोड़ने की क्रिया का प्रयोग हमारे पूर्वजों द्वारा, लोगों की भावनाओं की अभिव्यक्ति देने के लिए, एक मनोवैज्ञानिक अभ्यास के रूप में किया गया। जब आप बाहर विस्फोट देखते हैं तो आप अपने अंदर भी वैसी सम्वेदनाओं का अनुभव करते हैं। विस्फोट के साथ बहुत सा प्रकाश निकलता है। जब आप अपनी दबी हुई भावनाओं से मुक्त होते हैं तब आप खाली हो जाते हैं तथा अपने ज्ञान के प्रकाश का उदय होता है। ज्ञान की सभी जगह आवश्यकता है। यदि परिवार का एक भी व्यक्ति अंधकार में है,आप खुश नहीं रह सकते। अत: आप को अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य में ज्ञान का प्रकाश स्थापित करना होगा। इससे समाज के प्रत्येक सदस्य तक ले जाएं, पृथ्वी के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं। जब सच्चा ज्ञान उदित होता है, उत्सव होता है। अधिकतर उत्सव में हम अपनी सजगता अथवा एकाग्रता को देते हैं।उत्सव में सजगता बनाए रखने के लिए, हमारे ऋषि यों ने प्रत्येक उत्सव को पवित्रता तथा पूजा विधियों से जोड़ दिया है। इसलिए दिवाली भी पूजा का समय है। दिवाली का आध्यात्मिक पहलू, उत्सव में गांभीर्य लाता है। प्रत्येक उत्सव में आध्यात्म होना चाहिए क्योंकि आध्यात्म से हीन उत्सव असत ही होता है।

दीपावली पर सुबह से लेकर रात तक की जरूरी बातें

ब्रह्म पुराण के अनुसार दिवाली पर अर्धरात्रि के समय महालक्ष्मीजी सद्ग्रहस्थों के घरों में विचरण करती हैं। इस दिन घर-बाहर को साफ-सुथरा कर सजाया-संवारा जाता है। दीपावली मनाने से श्री लक्ष्मीजी प्रसन्न होकर स्थायी रूप से सद्गृहस्थ के घर निवास करती हैं। दीपावली धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा महालक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा और भाईदूज-इन 5 पर्वों का मिलन है। मंगल पर्व दीपावली के दिन सुबह से लेकर रात तक क्या करें कि महालक्ष्मी का घर में स्थायी निवास हो जाए.आइए जानें विस्तार से. दीपावली के पूजन की संपूर्ण विधियां दी गई हैं। फिर भी संक्षेप में 25 बिंदुओं से जानें कि क्या करें इस दिन -

- प्रात: स्नानादि से निवृत्त हो स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- अब निम्न संकल्प से दिनभर उपवास रहें-
  मम सर्वापच्छांतिपूर्वकदीर्घायुष्यबलपुष्टिनैरुज्यादि-
  सकलशुभफल प्राप्त्यर्थं
  गजतुरगरथराज्यैश्वर्यादिसकलसम्पदामुत्तरोत्तराभिवृद्ध्यर्थं
  इंद्रकुबेरसहितश्रीलक्ष्मीपूजनं करिष्ये।
- दिन में पकवान बनाएं या घर सजाएं। बड़ों का आशीर्वाद लें।
- सायंकाल पुन: स्नान करें।
- लक्ष्मीजी के स्वागत की तैयारी में घर की सफाई करके दीवार को चूने अथवा गेरू से पोतकर लक्ष्मीजी का चित्र बनाएं। (लक्ष्मीजी का चित्र भी लगाया जा सकता है।)
- भोजन में स्वादिष्ट व्यंजन, कदली फल, पापड़ तथा अनेक प्रकार की मिठाइयां बनाएं।
- लक्ष्मीजी के चित्र के सामने एक चौकी रखकर उस पर मौली बांधें।
- इस पर गणेशजी की मिट्टी की मूर्ति स्थापित करें।
- फिर गणेशजी को तिलक कर पूजा करें।
- अब चौकी पर छ: चौमुखे व 26 छोटे दीपक रखें।
- इनमें तेल-बत्ती डालकर जलाएं।
- फिर जल, मौली, चावल, फल, गुड़, अबीर, गुलाल, धूप आदि से विधिवत पूजन करें।
- पूजा के बाद एक-एक दीपक घर के कोनों में जलाकर रखें।
- एक छोटा तथा एक चौमुखा दीपक रखकर निम्न मंत्र से लक्ष्मीजी का पूजन करें-
  नमस्ते सर्वदेवानां वरदासि हरे: प्रिया।
  या गतिस्त्वत्प्रपन्नानां सा मे भूयात्वदर्चनात?
  साथ ही निम्न मंत्र से इंद्र का ध्यान करें-
  ऐरावतसमारूढो वज्रहस्तो महाबल:।
  शतयज्ञाधिपो देवस्तमा इंद्राय ते नम:?
  पश्चात निम्न मंत्र से कुबेर का ध्यान करें-
  धनदाय नमस्तुभ्यं निधिपद्माधिपाय च।
  भवंतु त्वत्प्रसादान्मे धनधान्यादिसम्पद:?
- इस पूजन के पश्चात तिजोरी में गणेशजी तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति रखकर विधिवत पूजा करें।
- तत्पश्चात इच्छानुसार घर की बहू-बेटियों को रुपए दें।
- लक्ष्मी पूजन रात के बारह बजे करने का विशेष महत्व है।
- इसके लिए एक पाट पर लाल कपड़ा बिछाकर उस पर एक जोड़ी लक्ष्मी तथा गणेशजी की मूर्ति रखें।
- समीप ही एक सौ रुपए, सवा सेर चावल, गुड़, चार केले, मूली, हरी ग्वार की फली तथा पांच लड्डू रखकर लक्ष्मी-गणेश का पूजन करें।
- उन्हें लड्डुओं से भोग लगाएं।
- दीपकों का काजल सभी स्त्री-पुरुष आंखों में लगाएं।
- फिर रात्रि जागरण कर गोपाल सहस्रनाम पाठ करें।
- व्यावसायिक प्रतिष्ठान, गद्दी की भी विधिपूर्वक पूजा करें।
- रात को बारह बजे दीपावली पूजन के उपरान्त चूने या गेरू में रुई भिगोकर चक्की, चूल्हा, सिल तथा छाज (सूप) पर तिलक करें।
- दूसरे दिन प्रात:काल चार बजे उठकर पुराने छाज में कूड़ा रखकर उसे दूर फेंकने के लिए ले जाते समय कहें - लक्ष्मी-लक्ष्मी आओ, दरिद्र-दरिद्र जाओ।

पूजा का शुभ मुहूर्त

इस साल एक नहीं बल्कि दो दिन मनाई जाएगी दिवाली दिवाली का पर्व बेहद शुभ माना जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार कुछ लोग दिवाली 31 अक्टूबर की बता रहे हैं तो वहीं कुछ 01 नवंबर को दिवाली मनाने की बात कह रहे हैं। हालांकि दोनों ही दिन को लेकर लोगों की अपनी- अपनी मान्यताएं हैं तो आइए दिवाली की सही डेट और शुभ मुहूर्त के बारे में जानते हैं। दिवाली हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। यह पर्व हर साल बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस शुभ दिन पर लोग धन और समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं। वैदिक पंचांग के अनुसार, दिवाली का त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस पावन दिन पर धन की देवी विधिवत पूजा करने से घर में शुभता का आगमन होता है, तो आइए इसकी सही तिथि और समय जानते हैं।

दिवाली तिथि और समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह की अमावस्या 31 अक्टूबर को दोपहर 03 बजकर 52 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 01 नवंबर को संध्याकाल 06 बजकर 16 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए 01 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी, हालांकि कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं, जहां पर दिवाली का पर्व 31 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। इसलिए 31 अक्टूबर को मनाई जा रही है दिवाली ज्योतिषी गणना के अनुसार, इस बार देश में दीपावली दो दिन 31 अक्टूबर व 1 नवंबर को मनाई जाएगी। त्योहार की तिथि सूर्योदय से तय होती है। कार्तिक अमावस्या की शुरुआत 31 अक्टूबर को दोपहर 3 बजकर 52 पर हो रही है। वहीं, इस तिथि का समापन 1 नवंबर शाम 5 बजकर 13 मिनट पर होगा। इसके बाद प्रतिपदा तिथि शुरू हो जाएगी। यानी 31 अक्टूबर की शाम से रात्रि व्यापनी अमावस्या लग जाएगी। लक्ष्मी पूजन के लिए प्रदोष काल सबसे उत्तम माना जाता है, जबकि प्रतिपदा को लक्ष्मी पूजन का विधान नहीं है।

शहर के अनुसार दिवाली की डेट

1 नवंबर को अयोध्या, नोएडा, रामेश्वरम, व इस्कॉन मंदिर में दिवाली मनाई जाएगी। वहीं, 31 अक्टूबर को काशी, मथुरा, उज्जैन, पुणे, नई दिल्ली, चेन्नई, मुम्बई, बेंगलूरु, अहमदाबाद आदि शहरों में दिवाली मनाई जाएगी।

दिवाली से आरंभ करें यह काम

धन की कमी से जुझ रहे हैं तो अब तक आपने अपनी दिनचर्या पर ध्यान नहीं दिया होगा। आइए इस दिवाली से आरंभ करें कुछ नए संकल्प, नई आदतें, नए काम.और फिर देखें जीवन में कैसे नहीं आता आपके पास धन.?

- दिवाली पर सबसे पहले सुबह उठ कर अपनी हथेलियों के दर्शन करें और मन ही मन मां लक्ष्मी की कृपा मांगें। कराग्रे वस्ते लक्ष्मी, कर मध्ये सरस्वती, कर मूले तू गोविंदम प्रभाते कर दर्शनम.दिवाली पर इस मंत्र को याद करें और बाद में प्रतिदिन सबसे पहले इसी का उच्चारण करें और साथ में हथेलियों के दर्शन करें।
- दिवाली के दिन सबसे पहले केसर का धागा मुंह में डालें। इससे ऐश्वर्य आता है। फिर प्रतिदिन जब भी घर से निकलें इस नियम को बना रहने दें। किसी भी विशेष कार्य पर या ऑफिस जाते समय एक धागा केसर का मुंह में रखकर घर से निकलें। ऐसा करने से लक्ष्मी जी प्रसन्न रहती हैं।
- यदि घर के आस-पास लक्ष्मी मंदिर या अन्नपूर्णा मंदिर हो तो वहां से थोड़े से अक्षत घर लाकर लाल वस्त्र में लपेट कर घर में ही धन रखने के स्थान में रखें। दिवाली के दिन तो ऐसा करें ही पर बाद में प्रति शुक्रवार ऐसा करने का प्रयास करें। धन की बरकत बढ़ेगी।

- दिवाली की शाम तमाम मिष्ठान्न के साथ मूंग की दाल भी खाएं और दान करें। इससे आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। उसके बाद प्रति बुधवार अगर ऐसा करते हैं तो किस्मत चमकती है और ग्रहों की शुभता में वृद्धि होती है।
- दिवाली के दिन अपने कार्यस्थल के किसी व्यक्ति को भोजन कराएं, उपहार दें या मिठाई दें। बाद में महीने के किसी भी एक दिन उसे भरपेट भोजन अवश्य कराएं। विशेष तौर पर शनिवार को भोजन करवाने से आपको धन लाभ मिलेगा।
- दिवाली के दिन एक खड़ी हल्दी की गांठ भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के चरणों से स्पर्श करा कर अपने कार्यक्षेत्र या वर्क टेबल पर पीले कपड़े में बांधकर रखें। कार्यालय में स्थिति मनोनुरूप होगी। तेजी से तरक्की होगी। शत्रु परास्त होंगे। बाद में प्रतिदिन अपनी टेबल पर काम शुरू करने से पहले उसका स्मरण करें।
- दिवाली के दिन ऋण मोचक मंगल स्तोत्र का पाठ करने से आर्थिक पक्ष मजबूत होता है। दिवाली पर आप तीन पाठ करें बाद में प्रति मंगलवार 1 पाठ करने से कैसा भी ऋण हो उतर जाता है।
- दीपावली पर घर में देसी घी का दीपक जलाना और पूजा के स्थान पर थोड़ा-सा देसी घी खुले पात्र में रखना मां लक्ष्मी को आकर्षित करता है। बाद में प्रति शुक्रवार घी का दीपक लगाएं।

दीपावली पर इन जगहों पर रखना ना भूलें दीप

दीपों का उत्सव आरंभ होते ही घर-घर में दीप झिलमिलाने लगते हैं। क्या आप जानते हैं कि दीपक कहां-कहां लगाया जाना आवश्यक होता है? आइए पढ़ें .

- सबसे पहले घर के मंदिर में जहां लक्ष्मी का मुख्य पूजन करें वहां अखंड दीपक जरूर लगाएं। ध्यान रखें कि यह दीपक रातभर बुझना नहीं चाहिए।
- धन की कामना पूरी हो, इसके लिए मुख्य दरवाजे के बाहर दोनों तरफ दीपक अवश्य लगाएं।
- एक दीपक वहां लगाएं जहां पीने के पानी रखा जाता है।
- घर के तुलसी चौरे में दीपक लगाएं। यहां दीपावली के अलावा भी हर दिन दीपक लगाना चाहिए।
- पीपल के पेड़ के नीचे दीपक लगाएं। मगर, ध्यान रखें कि दिया लगाने के बाद उसे पीछे मुड़कर देखना नहीं है। यह उपाय दिवाली वाली रात में करना है।
- घर के आस-पास किसी चौराहे पर दिवाली की रात में दिया जरूर जलाएं। इससे भी पैसों से जुड़ी समस्याएं खत्म हो जाती हैं।
- घर के आस-पास स्थित मंदिर में भी एक दिया लगाएं। इससे सभी देवी-देवताओं की कृपा मिलती है और क्लेशों से मुक्ति व मानसिक शांति मिलती है।
- बेलपत्र के पेड़ के नीचे दिया लगाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा से आर्थिक के अलावा व्यक्ति के जीवन में आने वाली अन्य तरह की परेशानियां दूर होती हैं।
- यदि भूत-प्रेत संबंधी परेशानी आ रही हो, तो पितरों के निमित्त श्मशान में एक दीपक जरूर लगाएं।
- अपने घर की मुंडेर, दहलीज, खिड़की, बाथरूम, छत पर, दरवाजे, पर दीपक लगाने के साथ ही एक दीपक पड़ोसी के घर में भी शुभ शगुन का रखना चाहिए।

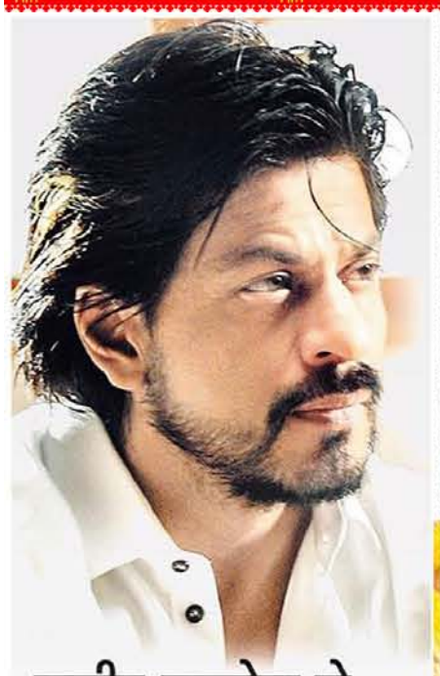

मनीष मल्होत्रा से शाहरुख खान तक, बॉलीवुड सितारों की दिवाली पार्टी में सजती है सितारों की महफिल

दिवाली की त्योहार अब बहुत पास है। इसके साथ ही रोशनी, उत्साह और खुशियां सभी जगह फैल रही हैं। दिवाली की धूम बॉलीवुड में भी काफी चकाचौंध भरी होती है। दिवाली पर कुछ खास सितारों के घर पार्टी होती है। इसमें बॉलीवुड के बड़े सितारे शामिल होते हैं। दिवाली की शानदार पार्टियां शुरू हो चुकी हैं। इसी सिलसिले में आपको बताते हैं, उन सेलेब्स के बारे में जिनके घर दिवाली की शानदार रौनक दिखाई देती है। इसमें मनीष मल्होत्रा, अमिताभ बच्चन, करण जौहर जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं। आइए आपको बताते हैं इन बॉलीवुड दिवाली पार्टियों के बारे में।

शाहरुख खान

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के घर भी दिवाली की रौनक दिखाई देती है। शाहरुख खान के घर मन्नत में दिवाली पार्टी का आयोजन हर साल होता है। इसमें बड़े-बड़े बॉलीवुड सितारे नजर आते हैं।

मनीष मल्होत्रा

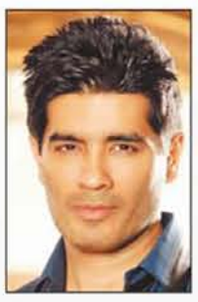

बॉलीवुड के फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के घर हर साल दिवाली पर शानदार दिवाली पार्टी होती है। इसमें सभी बी टाउन बॉलीवुड सितारे पहुंचते हैं। इस साल 2024 में भी मनीष मल्होत्रा की पार्टी में सितारों की महफिल सजी रही।

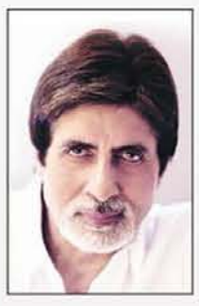

अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के घर जलसा में भी दिवाली पार्टी हर साल आयोजित की जाती है। इस पार्टी में बॉलीवुड के बड़े सेलेब्स शामिल होते हैं। प्रशंसकों को भी हर साल इस पार्टी का इंतजार रहता है।

एकता कपूर

निर्माता-निर्देशक एकता कपूर के घर भी धूमधाम से दिवाली पार्टी का आयोजन होता है। इस पार्टी में टीवी और बॉलीवुड की दुनिया के बड़े सितारे पहुंचते हैं।

इस बार सितारों की दिवाली, परिवार वाली...

आलिया भट्ट से लेकर कार्तिक आर्यन तक कौन कैसे मना रहा त्योहार!

रोशनी और आतिशबाजी का त्योहार दिवाली आ गई है। बस दो दिन बाद पूरा देश एक साथ मिलकर दिवाली का त्योहार मनाएगा। इस मौके पर हमारे सेलेब्स भी किसी से पीछे नहीं हैं। आलिया भट्ट से लेकर कार्तिक आर्यन तक ने अपनी दिवाली के प्लान्स को बताया है।

अब की बार दिवाली पूजा का हिस्सा बनूंगी - मृणाल ठाकुर

इस बार दिवाली को लेकर मैं काफी खुश हूं, क्योंकि इस बार मैं अपने परिवार संग दिवाली मनाने वाली हूं। बीते कई सालों से दिवाली के मौके पर मैं काम करती रही हूं। पिछले साल में तो मैं थाईलैंड में थी, फिल्म फैमिली स्टार के सेट पर और मैंने मुंबई के कंदीलों और रोशनाई को बहुत मिस किया था, मगर इस साल मेरी कोई शूटिंग नहीं है, तो मैं मम्मी-पापा संग बहुत ही सादगी से इस पर्व का आनंद लूंगी। महाराष्ट्रीयन होने के नाते हमारे घर में धनतेरस के दिन से ही दिवाली की धूम होती है। दिवाली पर हमारे यहां चकली, सेव, करंजी, बेसन के लड्डू जैसी कई पारंपरिक मिठाइयां अनिवार्य रूप से बनती है। दिवाली की पूजा हमारे लिए काफी अहम होती है। मुझे सोच कर अच्छा लग रहा है कि अब की बार दिवाली पूजा का हिस्सा बनूंगी। किशोरावस्था में मुझे दिल्ली की दिवाली याद है, जब हम पूरा परिवार दिवाली पर दिल्ली गए थे। हमने वहां दिवाली बहुत खास ढंग से मनाई थी।

बहन और मेरे बीच दीये जलाने का कंपटीशन होता था - कार्तिक

ये पहली बार है, जब मेरी फिल्म भूल भुलैया 3 दिवाली पर रिलीज हो रही है, तो मुझे लग रहा है कि इस दिवाली मैं अपनी फिल्म का प्रमोशन ही कर रहा होऊंगा। मगर ये तय है कि टोटल धमाल होने वाला है। बचपन में तो मुझे ग्वालियर की दिवाली याद है, जब मैं ग्वालियर में था तो कई प्यारी बातें, तो इतनी अच्छी तरह से याद हैं कि हमारे घर में ढेर सारे ड्राई फ्रूट्स आते थे और मिठाइयों का अंबार लग जाता था। हम भी अपने रिश्तेदारों के घर मिठाई और ड्राई फ्रूट्स लेकर जाया करते थे। घर में सूरज उगने से पहले उठने का चलन था और इन दिनों खास तरह के पकवान बनते थे। बच्चे के रूप में नए कपड़ों का बेसब्री से इंतजार रहता था। मैं और मेरी बहन (कृतिका तिवारी) खूब रोशनाई किया करते थे और हमारे बीच में दीये जलाने का कंप्टीशन होता था।

बचपन में तो सुतली बम से हाथ जला चुका हूं -अरशद वारसी

जब हम बड़े होते हैं, तो समझ आती है और हालात और पर्यावरण को देख कर हम बहुत सारी चीजें सीखते हैं। एक लंबे अरसे से मैंने प्रदूषण मुक्त दिवाली को ध्यान में रखते हुए, पटाखे जलाना छोड़ दिया है। मैं बच्चों को भी इसके लिए मना करता हूं, क्योंकि शोर-शराबे के साथ प्रदूषण बहुत होता है, मगर आपको एक मजेदार बात बताऊं,बचपन में मुझे आतिशबाजी का इतना शौक था कि मैं अपने हाथ में सुतली बम फोड़कर हाथ जला चुका हूं, मगर अब तो एक अरसे से मैंने आतिशबाजी करना छोड़ दिया है। मगर एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि मुझे दिवाली का फेस्टिवल बेहद पसंद है। मेरी पत्नी मारिया क्रिश्चियन है, मैं मुस्लिम हूं और मेरा स्टाफ हिंदू है,मगर हमारे घर में हर त्योहार मनाया जाता है। दिवाली पर तो मारिया खास तौर पर पूरे घर को चमका देती है। मुझे इस फेस्टिवल की पॉजिटिव वाइब्स बहुत अच्छी लगती है। इस साल दिवाली पर हम अपने दोस्त निर्देशक कबीर खान और उनकी पत्नी मिनी माथुर के घर दिवाली डिनर पर मिलने जाएंगे और जम कर दिवाली मनाएंगे।

राहा को दिवाली के सही मायने समझाऊंगी - आलिया

बचपन में तो हर साल रंगोली बनाना और और दोस्तों के साथ दिवाली मनाने का इंतजार रहता था। वो दिवाली मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगी। हम सभी लोग इकट्ठा हुआ करते थे। हालांकि पिछले साल भी हम दोनों परिवारों ने साथ मिलकर दिवाली मनाई थी, तो इस बार भी घर में परिवार के साथ पूजा-पाठ होगी। काम से छुट्टी लेकर बस सबके साथ समय बिताऊंगी और घर का बना पसंदीदा खाना खाऊंगी। मुझे आशा है कि मैं अपनी बेटी राहा को इस त्योहार का सही मतलब सिखाऊंगी, अपने बचपन की कहानियां बताऊंगी कि कैसे हमारे परिवार ने एक साथ मिलकर इसे मनाया जाता है। हम साथ मिलकर रंगोली बनाकर खूबसूरत यादें बनाने की उम्मीद करेंगे और मुझे आशा है कि यह अनुभव उसे खुशी देगा और उसके चेहरे पर मुस्कान लाएगा।

घर को दीयों से सजा कर दूर से निहारूंगा- पंकज त्रिपाठी

मेरी जितनी भी संस्मरणीय दिवाली हैं, वो बचपन की ही हैं। तब मैं गांव में गोपालगंज के बेलसंड गांव में रहा करता था। उस जमाने में मिट्टी के दीये कुमार के घर से आते थे। घर के पुराने कपड़ों या रूई से बाती बनती थी और हम अपने ही खेत में उगाए गए सरसों के तेल से दीये जलाया करते थे। तब गांव में बिजली नहीं होती थी और उन्हीं दीयों से पूरा घर जगमगाया करता था। मोमबत्तियां भी बाद में आईं। हालांकि बाद में भी खपरैल के घर में दीया, मोमबती जलाने की बड़ी इच्छा होती थी, मगर खपरैल की छत होने के कारण वो टिक नहीं पाता था। बाद में जब मैंने पक्का मकान बनवाया, तो अपना ये अरमान भी पूरा किया। दिवाली पर अपने घर के चारों तरफ दीये लगाना और उसे दूर से देखने का आनंद ही कुछ और होता है। इस बार मैं अपने घर को उसी तरह से दीयों से सजाने वाला हूं और दूर से जाकर उसे निहारूंगा। पत्नी के बनाए हुए होममेड लड्डू का भी मजा लूंगा। वैसे दिवाली की सार्थकता तो मुझे अपने माता-पिता के साथ लक्ष्मी पूजन करके ही लगती है, मगर कई बार व्यस्तता के चलते वो नहीं हो पाता। फिर भी कोशिश रहती है कि ऐसे पर्व पर माता-पिता का आशीष मिले।

इस बार दिवाली को बहुत मिस करूंगी-नित्या मेनन

बचपन की दिवाली मैं आज तक नहीं भूली। तब तो हम खूब पटाखे फोड़ा करते थे। उस दिन हमारा परिवार एक साथ इकट्ठा होता था। हमारी एक्सटेंडेड फैमिली भी हमसे जुड़ती थी। वो दिन बहुत मस्त हुआ करते थे। मगर फिल्म जगत में आने के बाद मुझे इस त्योहार को सेलिब्रेट करने का मौका नहीं मिलता। कई सालों से मैं दिवाली पर ट्रैवल या शूटिंग कर रही होती हूं। सच कहूं, तो एक कलाकार के लिए जन्मदिन, दिवाली या क्रिसमस मनाना लग्जरी की तरह होता है। सेट पर कई बार जब दिवाली होती है, तो एक दिवाली डिनर का आयोजन होता है, मगर बचपन में दिवाली अलग लगती थी। अब तो बहुत काम होता है। इस बार तो क्या ही बोलूं , मैं दिवाली पर एक बहुत ही रिमोट विलेज में शूटिंग करने वाली हूं। जहां शायद मेरा नेटवर्क भी न हो, तो ये दिवाली मैं सब कुछ बहुत मिस करने वाली हूं।

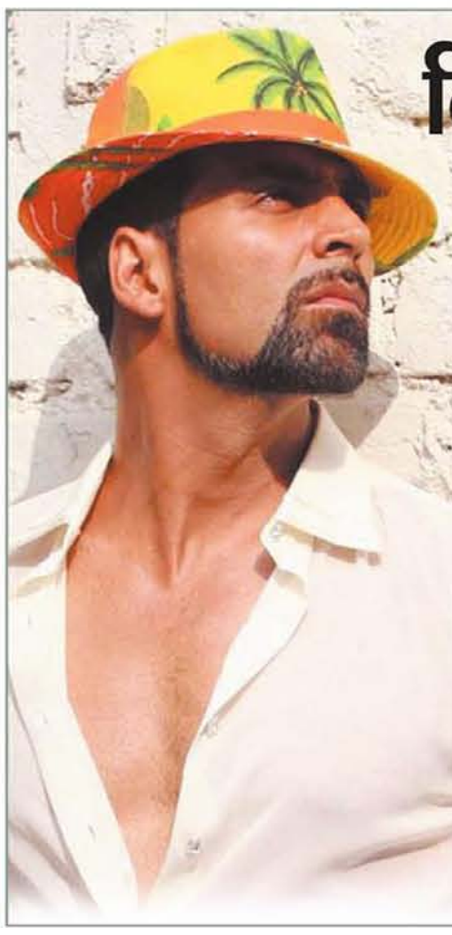

दिवाली सेलिब्रेशन- सितारों की दिवाली

यूं तो हर किसी के लिए दिवाली ख़ास रहती है, पर फिल्मी सितारे भी इस त्योहार को ख़ास बनाने की कोशिश करते हैं. उन्हें भी रोशनी का लुत्फ़ उठाना, मिठाइयां खाना, दोस्त-परिवार के साथ फेस्टिवल सेलिब्रेट करना अच्छा लगता है.

अक्षय कुमार

दिवाली हमेशा से ही मेरे लिए ख़ास रही है. हम अपने परिवार के साथ-साथ उन परिवारों का भी ख़याल रखते हैं, जो अपने परिवार से दूर मुंबई में रोज़ी-रोटी के लिए काम करते हैं. साथ ही मैं ट्विंकल व बच्चों के साथ उन ज़रूरतमंद लोगों के लिए तोहफे ज़रूर ले जाता हूं, जो उस दिन भी जी तोड़ काम करते रहते हैं. उनके चेहरे की ख़ुशी हमें सुकून देती है. वैसे मेरे साथ भी तोहफे को लेकर हमेशा से ही ख़ास होता रहा है. न चाहते हुए भी हर साल दिवाली पर अपनों और फैन्स की तरफ़ से ढेर सारे तोहफे मिलते हैं. मैं हर बार अपने क़रीबी लोगों को गिफ्ट न भेजने के लिए कहता हूं, पर वे नहीं मानते. उनका कहना होता है कि वे मेरे लिए नहीं, बच्चों व फैमिली के लिए उपहार भेज रहे हैं. उनका प्यार व अपनापन देख दिल भर आता है. हर बार इन्हीं लोगों के कारण मेरी दिवाली यादगार बन जाती है. सभी को दीपावली की ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं. प्लीज़ पटाखे जलाते समय सेफ्टी का भी ध्यान रखें.

कंगना रनौत

बचपन से ही मां दीपावली पर हम बच्चों से ढेर सारे काम करवाती थीं. सबसे पहले हम सभी मिलकर घर की सफ़ाई करते थे, जिसमें हमें बड़ा मज़ा आता था. परिवार के सभी लोग मिलकर पूरे घर को सजाते थे. दीये व रंगोली से घर जगमग कर उठता था. लेकिन फिल्मों में आने के बाद शूटिंग के कारण परिवार के साथ तीज-त्योहार कम ही मना पाती हूं. लेकिन मेरी हमेशा यह कोशिश रहती है कि कम से कम दिवाली पर अपने परिवार के साथ रहूं. इस बार भी मेरी कोशिश यही रहेगी. सभी मिलकर दीये जलाएंगे. मिठाइयों का दौर चलेगा. मेरी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि दिवाली के उपहार के तौर पर वे मुझे हमेशा मेरे परिवार का साथ दें, क्योंकि काम के कारण मुझे उनसे दूर रहना बहुत अखरता है.

सनी देओल

दिवाली पर हर साल मुझे पापा और भाई बॉबी से ख़ास सौग़ात मिलती है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखता हूं. एक अनकही-सी ख़ुशी होती है. यूं तो पापा हर त्योहार पर कोई ख़ास उपहार देते रहे हैं, पर दिवाली पर उनकी तरफ़ से विशेष गिफ्ट मिलता है. बचपन से ही मुझे उनके तोहफे से ख़ास जुड़ाव रहा है. उन दिनों यदि वे शूटिंग के सिलसिले में बाहर होते थे, तो मां को हमारे उपहार देकर जाते थे और दिवाली पर वे सभी सरप्राइज़ गिफ्ट हमें मिलते थे. पापा के उन सभी तोहफ़ों के कारण मेरी हर दिवाली स्पेशल हो जाती थी. मेरा यह मानना है कि हमारे ये फेस्टिवल ही तो हैं, जो हमें एक-दूसरे के और भी क़रीब ले आते हैं. सभी हर्षोल्लास से इन त्योहारों को मनाते हैं. सभी का आपसी प्यार हमेशा बना रहे, इसी शुभकामना के साथ सभी को हैप्पी दिवाली.

अनुष्का शर्मा

दिवाली रोशनी का ख़ूबसूरत त्योहार है. इस समय हमें परिवार के साथ वक़्त बिताने का मौक़ा मिलता है. मैं भी सभी की तरह नए कपड़े पहनती हूं और मिठाइयों का लुत्फ़ उठाती हूं. मेरी सभी से गुज़ारिश है कि पटाखों से दूर रहें और शोर-शराबे की बजाय शांति के साथ रोशनी के इस पर्व को मनाएं. तापसी पन्नू मैं इस त्योहार को परंपरागत तरीक़े से मनाती रही हूं. घर की साफ़-सफ़ाई, सजाना-संवारना, दीये, रंगोली सब कुछ ख़ूबसूरत व आकर्षक लगता है. सच, मैं ख़ुद को बेहद ख़ुशक़िस्मत मानती हूं कि मेरा जन्म भारत में हुआ है. यहां पर सभी का प्यार-अपनापन, रीति-रिवाज़, सहयोग सब कुछ दिल को छू जाता है. जाति-धर्म से परे होकर सभी मिल-जुलकर त्योहार मनाते हैं.

सभी को दिवाली की बधाई!

श्रद्धा कपूर

हम सभी के लिए बचपन की दीपावली विशेष यादगार रही है, लेकिन बड़े होने पर भी इसे सेलिब्रेट करने में हम कोई कमी नहीं रखते. इस बार भी हम सभी ध्वनि प्रदूषण से दूर यानी नॉइस फ्री दिवाली मनाएंगे. ख़ूब मौज-मस्ती, खाना-पीना होगा, पर नो क्रैकर्स! सोनम कपूर हम पूरे परिवार के साथ हमेशा ही ज़ोर-शोर से ग्रैंड दिवाली मनाते हैं. सभी इकट्ठे होकर ख़ूब धमाल करते हैं और हमारी हर दिवाली यादगार दिवाली बन जाती है.

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री,
उत्तर प्रदेश

प्रगति और विश्वास, निरंतर बढ़ता औद्योगिक विकास

नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री, औद्योगिक विकास
उत्तर प्रदेश सरकार

- **औद्योगिक भूखण्डों का आवंटनः** प्राधिकरण ने कलस्टर आधारित उद्योगों के विकास हेतु प्रभावी कार्यवाही की है। प्राधिकरण के औद्योगिक सेक्टरों में MSME पार्क, टॉय सिटी एवं हैण्डीक्राफ्ट पार्क एवं अपैरल पार्क का विकास किया गया है। वित्तीय वर्ष 2017 से 31 जनवरी 2024 तक कलस्टर आधारित औद्योगिक पार्कों एवं मिश्रित भू–उपयोग में कुल 2209 औद्योगिक ईकाइयों की स्थापना हेतु भूमि का आवंटन किया गया है। इन उद्योगों के स्थापना से प्राधिकरण क्षेत्र में लगभग 31,000 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त होगा तथा 3,61,593 लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी।
- **मेडिकल डिवाईस पार्कः** भारत सरकार की योजना के अन्तर्गत मेडिकल डिवाईस पार्क की स्थापना यमुना एक्सप्रेस प्राधिकरण द्वारा सेक्टर–28 में की जा रही है। मेडिकल डिवाईस पॉलसी के अन्तर्गत रु. 100 करोड का ग्रान्ट भारत सरकार द्वारा दिया जाना है जिसके सापेक्ष रु. 30 करोड़ प्राप्त हो चुके हैं। मेडिकल डिवाईस पार्क में इकाईयों की स्थापना के लिए भारत सरकार द्वारा सैद्धान्तिक अनुमति में वर्णित विशेष प्रोत्साहन लाभ प्रदान करने हेतु फार्मास्यूटिकल मैन्यूफैक्चरिंग नीति–2018 (यथा संशोधित) के प्रस्तर–12.5 के तहत प्रस्ताव पर मा. मंत्री परिषद् द्वारा दिनांक 14.06.2022 को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। Scheme for promotion of Medical Devices Park के अनुसार मेडिकल डिवाइस पार्क योजना 02 वर्ष में क्रिन्यान्वित की जानी है। मेडिकल डिवाईस पार्क योजना के अन्तर्गत फेज–1 में 35, फेज–2 में 23 एवं फेज–3 में 14 भूखण्डों का आवंटन हो चुका है। इस योजना में लगभग 3800 करोड़ का निवेश प्राप्त होगा साथ ही 15000 रोजगार का सृजन होगा।
- **इन्टरनेशनल फिल्म सिटीः** उ.प्र. में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की फिल्म सिटी के स्थापना की उ.प्र. शासन की परिकल्पना ने लिया आकार। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के विकसित क्षेत्र में 230 एकड़ में फिल्म सिटी की स्थापना हेतु निर्माता निर्देशक बोनी कपूर एवं भूटानी इंफ्रा कम्पनी Bayview Projects LLP इनके द्वारा ड्रॉईंग डिजाइनिंग डीपीआर तैयार किया जा रकाह है।
- **नोयडा इन्टरनेशनल एयरपोर्ट, जेवरः** नॉयडा इन्टरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर नागरिक उड्डयन विभाग, उ.प्र. शासन की पी.पी.पी. मोड पर आधारित परियोजना है। इसका विकास प्राधिकरण के मास्टर प्लान क्षेत्र इन्टरनेशनल एयरपोर्ट एण्ड एविएशन हब के अन्तर्गत 1334 हेक्टेयर क्षेत्र में जेवर के निकट किया जा रहा है। इस हेतु 1334 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है तथा भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों से सभी प्रकार की एन.ओ.सी. एवं इन्वारयमेंट क्लीरेन्स प्राप्त हो चुका है। ग्लोबल बिडिंग प्रकिया से Zurich Airport International AG का चयन कंसेशनायर/विकासकर्ता के रूप में किया गया है। समस्त भूमि का कब्जा विकासकर्ता को प्रदान किया जा चुका है तथा विकास हेतु Master Plan एवं Development Plan अनुमोदित किया जा चुका है। वर्तमान में विकासकर्ता Yamuna International Airport Pvt. Ltd. जो Zurich Airport International AG की (SPV) है के द्वारा Terminal Building, रनवे, ATC Building के निमार्ण कार्य किया जा रहा है। प्रथम चरण में 12 मिलियन यात्रियों के लिए एयरपोर्ट का निर्माण होगा जिसमें रु. 5730 करोड़ की धनराशि कम्पनी द्वारा व्यय की जाएगी। एयरपोर्ट की स्थापना से औद्योगिक अवस्थपना का संरचनात्मक विकास होगा, जिससे रोजगार के अवसर बढेगें, विनिर्माण एवं निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा तथा हवाई यातायात सुगम होगा साथ ही पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।
- **हेरीटेज सिटीः** राया नगरीय केन्द्र (वृन्दावन) प्राधिकरण की महायोजना में शासन द्वारा अनुमोदित है, जहाँ प्राधिकरण द्वारा हेरीटेज सिटी के रूप में विकास किये जाने की योजना है। इसके अध्ययन हेतु M/s CBRE South Asia Pvt. Ltd. को परामर्शदाता के रूप में चयन किया गया है। ब्रिज विकास परिषद के सुझाव पर इसका विकास श्री बांकेबिहारी मंदिर के समीप ग्रीनफील्ड एरिया में किया जाएगा जहाँ पर पूर्व से ही भगवान श्रीकृष्ण से सम्बन्धित कई पौराणिक स्थल मौजूद हैं। इस योजना में यमुना एक्सप्रेसवे से श्री बांकेबिहारी मन्दिर हेतु ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी साथ ही रिवर फ्रन्ट, योग केन्द्र, प्रार्थना स्थल आदि का भी विकास हेरीटेज सिटी में सम्मिलित है। इसका DPR कंसलटेन्ट द्वारा तैयार किया जा रहा है। DPR के अनुमोदन के उपरान्त विकासकर्ता का चयन पी.पी.पी. मोड पर किया जाएगा। मास्टर प्लान दिनांक 21.10.2024 को शासन से अनुमोदित हो गया है।
- **ग्रुप हाउसिंग भूखण्डों का आवंटनः** प्राधिकरण द्वारा दिनांक 01.08.2024 को सेक्टर 18 एवं 22डी ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड योजना (वाईईए–जीएच–08/2024) लायी गई थी। उक्त योजना में कुल 9 भूखण्डों का आवंटन किया जा चुका है।
- **डेटा सेन्टर पार्कः** सैक्टर–28 में डेटा सेन्टर पार्क 50 एकड़ में विभिन्न आकार के 6 भूखण्डों के आवंटन की योजना लायी गयी है। डेटा सेन्टर पार्क और एविएशन हब के बीच 2.5 कि.मी. की दूरी है। डेटा सेन्टर पार्क के अन्तर्गत 2 भूखण्डों का आवंटन हो चुका है।
- **संस्थागतः** प्राधिकरण के संस्थागत उपयोग हेतु प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना हेतु प्रभावी कार्यवाही की गई है। प्राधिकरण के संस्थागत सैक्टरों में Degree College, PG College, Medical College Management Institute/Technical Institute, Vocational College/Institute, Sport College/Sports Academy, Senior/Higher Secondary School, Integrated Residential Schools, Nursory School, Hospital, Nursing Home, Corporate Office etc. के उपयोग हेतु 238 भूखण्डों का आवंटन किया गया है।
- **ग्रामों का सैक्टरों की तर्ज पर स्मार्ट विलेज के रूप में विकासः** प्रथम फेज में प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित क्षेत्र के कुल 29 औद्योगिक नगरों को स्मार्ट विलेज के रुप में विकसित किया जाना प्रस्तावित है। 06 औद्योगिक नगरों (निलोनी, रामपुर बांगर, अच्छेजा बुजुर्ग, डूँगरपुर रीलका, मिर्जापुर व रूस्तमपुर का कार्य पूर्ण करा दिया गया है। 13 औद्योगिक नगरों (सलारपुर, मूंजखेडा, चपरगढ़, (माजरा–मिर्जापुर), गुनपुरा, मुरादगढ़ी, मौहम्मदपुर गुर्जर, खेरली भाव, औरंगपुर, अट्टा गुजरान, दनकौर जगनपुर, अफजलपुर, रौनीजा एवं चांदपुर) में कुल रुपये 9584.08 लाख के विकास कार्य प्रगति में हैं। शेष 11 औद्योगिक नगरों के प्राक्कलन तैयार किया जाना प्रस्तावित है।
- **प्राधिकरण के 96 औद्योगिक नगरी क्षेत्रों के अन्तर्गत स्कूलों के कायाकल्प के कार्यः** ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों को अवस्थापना से संतृप्त कराये जाने हेतु बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कराये गये सर्वे में 14 मानकों के अन्तर्गत 89 प्राईमरी स्कूल तथा 34 जूनियर हाई स्कूल में कार्य पूर्ण कराये जा चुके हैं।
- **अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयः** प्राधिकरण सीमा के अन्तर्गत आने वाले 15 विद्यालयों की सूची तैयार कर प्रस्तुत की गयी है, जिसमें नयी शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप At Grade Learning की अवधारणा के आधार पर उक्त चिन्हित विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को विश्वस्तरीय एवं आधुनिक अवस्थापना सुविधाओं के साथ बेहतर शैक्षणिक परिवेश में शिक्षा प्रदान करने के उददेश्य से परिषदीय कम्पोजिट विद्यालयों को अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय के रूप में उच्चीकृत किये जाने हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। इसके अन्तर्गत विद्यालय में 05 कक्षों से युक्त 01 एकीकृत भवन का निर्माण किया जाएगा, जहाँ निम्नलिखित आधुनिक अवस्थापना सुविधाओं को विकसित किया जाएगाः • Library with dedicated reading Corner • Computer lab with language lab solution • Modular composite (Math & Science) laboratory • High-tech Smart class by interactive display smart board with virtual class room • Staff room with attached toilet.

अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप डिजिटल शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के उददेश्य से बच्चों को डिजिटल एजुकेशन प्लेटफार्म एवं डिजिटल लर्निंग के माध्यम से गुणवत्तापरख शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक स्मार्ट क्लास शैटअप को भी तैयार किया जायेगा। प्राधिकरण द्वारा कुल 12 विद्यालयों को दो चरणों में अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों के रूप में विकसित किये जाने हेतु कार्य प्रगति में है।

Yamuna Expressway Industrial Development Authority
YEIDA
FUTURE IS HERE

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉपलेक्स, पी–2, सैक्टर ओमेगा–1, ग्रेटर नोएडा 201308, जनपद–गौतमबुद्ध नगर

Tolfree No.: 1800 180 8296 वेबसाईटः www.yamunaexpresswayauthority.com